Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24 website- www.dvpnews.in रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 05 ● वर्ष : 13 ● रायपुर, गुरुवार 12 जून 2025 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

महापुरुष वे ही हैं जो समचित, क्षमावान, शील सम्पन्न और परोपकारी है।
He is the great man who is even mind, forgiving, complete and beneficent.
आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सहकारिता को घर-घर तक पहुंचाने की संकल्पना हो रही है पूरी : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री अपेक्स बैंक के नवनियुक्त प्राधिकृत अधिकारी केदारनाथ गुप्ता के पदभार ग्रहण में हुए शामिल

मुख्यमंत्री ने अपेक्स बैंक की नई शाखा का किया वर्चुअल शुभारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक मर्यादित के नवनियुक्त प्राधिकृत अधिकारी श्री केदारनाथ गुप्ता के पदभार ग्रहण एवं अभिनंदन समारोह में शामिल हुए और उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जशपुर जिले के फरसाबहार में अपेक्स बैंक की नई शाखा का वर्चुअल शुभारंभ किया और क्षेत्रवासियों को बधाई दी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में सहकार से समृद्धि की संकल्पना को साकार किया जा रहा है। उनकी प्रेरणा से प्रदेश के घर-घर को सहकारिता से जोड़ने का कार्य हमारी सरकार कर रही है। श्री साय ने कहा कि नवनियुक्त प्राधिकृत अधिकारी के नेतृत्व में प्रदेश में सहकारिता को और अधिक मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि सहकारी गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के साथ मिलकर प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है। हाल ही में हमने दुधारू पशु वितरण का शुभारंभ किया है, जिसके अंतर्गत पायलट प्रोजेक्ट के लिए प्रदेश के 6 जिलों का चयन कर हितग्राहियों को दो-दो दुधारू गाय वितरित की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश के किसानों और ग्रामीण जनों को बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराने की एक बड़ी पहल हमने इस वर्ष पंचायती राज दिवस से प्रारंभ की है। प्रदेश के 1460 ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सुविधा केंद्र खोले गए हैं, जिसके माध्यम से ग्राम पंचायत भवन में ही बैंकिंग सुविधा मिल रही है। अगले पंचायती राज दिवस तक यह सुविधा प्रदेश के सभी ग्राम पंचायतों में उपलब्ध हो जाएगी, जिससे किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के मुख्यमंत्रित्व काल के दौरान सहकारिता के क्षेत्र में हुए बड़े बदलावों का भी उल्लेख किया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर साधा निशाना

कलबुर्गी (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के 11 साल पूरे होने पर उन पर निशाना साधा। मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी की आलोचना की और कहा कि उन्होंने कभी ऐसा प्रधानमंत्री नहीं देखा जो इतना झूठ बोलता हो। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि वे 65 साल से राजनीति में हैं और उन्होंने आरोप लगाया कि पीएम मोदी युवाओं को धोखा दे रहे हैं और गरीबों को लालच देकर वोट ले रहे हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को कलबुर्गी में संवाददाताओं से कहा, मैं संसद में यह बात लंबे समय से कहता आ रहा हूं और मैंने कभी ऐसा प्रधानमंत्री नहीं देखा जो इतना झूठ बोलता हो, इतनी गलतियां करता हो, लोगों को फंसाता हो, युवाओं को धोखा देता हो और लोगों को फंसाकर वोट लेता हो। मैं 65 साल से राजनीति में हूं।

केंद्रीय कैबिनेट ने 7 जिलों को कवर करने वाली 6405 करोड़ रुपये की दो रेल परियोजनाओं को दी मंजूरी

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति ने 6,405 करोड़ रुपये की कुल लागत वाली रेलवे की दो परियोजनाओं को बुधवार को मंजूरी दी.

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडियाकर्मियों को जानकारी देते हुए दो रेलवे परियोजनाओं, कोडरमा-बरकाकाना दोहरीकरण (133 किलोमीटर) के बारे में बताया. वैष्णव ने कहा कि यह परियोजना खंड झारखंड के एक प्रमुख कोयला उत्पादक क्षेत्र से होकर गुजरती है. इसके अलावा, यह पटना और रांची के बीच सबसे छोटा और अधिक कुशल रेल संपर्क के रूप में कार्य करता है. इसके अलावा बेल्लारी-चिकजाजुर दोहरीकरण (185 किमी)- परियोजना लाइन कर्नाटक के बेल्लारी और चित्रदुर्ग जिलों और आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले से होकर गुजरती है.

उन्होंने कहा कि बढ़ी हुई लाइन क्षमता से गतिशीलता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय रेलवे के लिए परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में सुधार होगा. ये मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव परिचालन को सुव्यवस्थित करने और भीड़भाड़ को कम करने के लिए तैयार हैं. वैष्णव ने बताया कि ये परियोजनाएं मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का परिणाम हैं, जो एकीकृत योजना के माध्यम से संभव हुई हैं और लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी.

झारखंड, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश राज्यों के सात जिलों को कवर करने वाली ये दोनों परियोजनाएं भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क को लगभग 318 किलोमीटर तक बढ़ा देंगी. स्वीकृत मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना से लगभग 1,408 गांवों में कनेक्टिविटी बढ़ेगी, जिनकी आबादी लगभग 28.19 लाख है. ये कोयला, लौह अयस्क, तैयार इस्पात, सीमेंट, उर्वरक, कृषि वस्तुओं और पेट्रोलियम उत्पादों आदि जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए आवश्यक मार्ग हैं.

क्षमता वृद्धि कार्यों के परिणामस्वरूप 49 एमटीपीए (मिलियन टन प्रति वर्ष) का अतिरिक्त माल यातायात होगा. उन्होंने कहा कि रेलवे पर्यावरण अनुकूल और ऊर्जा कुशल परिवहन का साधन है, जिससे जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश की रसद लागत को कम करने, तेल आयात (52 करोड़ लीटर) को कम करने और सीओ2 उत्सर्जन (264 करोड़ किलोग्राम) को कम करने में मदद मिलेगी, जो 11 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है.

सीएम नीतीश कुमार ने पटना में बिहार के पहले डबल-डेकर फ्लाईओवर का उद्घाटन किया

पटना (एजेंसी)। बिहार के शहरी बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को पटना में राज्य के पहले डबल-डेकर फ्लाईओवर का उद्घाटन किया, जिसे 422 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। शहर के स्मार्ट मोबिलिटी मिशन में मील का पत्थर माने जाने वाले इस ढांचे का उद्देश्य राजधानी में यातायात की भीड़ को कम करना और कनेक्टिविटी में सुधार करना है।

अशोक राजपथ पर निर्मित, मल्टी-टियर फ्लाईओवर तीन-स्तरीय यातायात प्रणाली की शुरुआत करता है - जो बिहार में अपनी तरह का पहला है। टियर 1 (लोअर डेक) में पटना कॉलेज से बीएन कॉलेज तक 1.45 किमी का हिस्सा शामिल है। टियर 2 (अपर डेक) में कारगिल चौक से शताब्दी द्वार तक 2.2 किमी का कॉरिडोर है, जो पटना साइंस कॉलेज से होकर गुजरता है। ग्राउंड लेवल सर्विस रोड का निर्माण 90 प्रतिशत पूरा हो चुका है, जो सतही यातायात के लिए अतिरिक्त सहायता प्रदान करता है।

यह फ्लाईओवर पटना मेट्रो रेल परियोजना और जेपी गंगा पथ सहित प्रमुख शहरी नोड्स को जोड़ता है।

मोदी सरकार के प्रयासों से पिछले 11 वर्षों में सामाजिक सुरक्षा कवरेज में ऐतिहासिक विस्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास' के विजन से प्रेरित होकर भारत ने सामाजिक सुरक्षा कवरेज के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है, जो वैश्विक स्तर पर सबसे महत्वपूर्ण विस्तारों में से एक है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के आईएलओस्टैट डेटाबेस के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारत का सामाजिक सुरक्षा कवरेज 2015 में 19 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 64.3 प्रतिशत हो गया है, जो पिछले एक दशक में 45 प्रतिशत अंकों की अभूतपूर्व वृद्धि है। खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने पिछले 11 वर्षों में मोदी सरकार द्वारा शुरू की गई निर्धन-केंद्रित और श्रमिक कल्याण योजनाओं पर प्रकाश डाला।

अंतर्राष्ट्रीय श्रम सम्मेलन (आईएलसी) के अवसर पर आईएलओ के महानिदेशक गिल्बर्ट एफ. हांगबो के साथ द्विपक्षीय चर्चा करते हुए, केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने पिछले 11 वर्षों में मोदी सरकार द्वारा शुरू की गई निर्धन-केंद्रित और श्रमिक कल्याण योजनाओं पर प्रकाश डाला। केंद्रीय मंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के सहयोग से सरकार द्वारा चलाई जा रही राष्ट्रीय स्तर की सामाजिक संरक्षण डेटा पूलिंग अभियान के बारे में भी आईएलओ के महानिदेशक को अवगत कराया। इन प्रयासों की सराहना करते हुए, आईएलओ ने भारत की उपलब्धि को स्वीकार किया और अपने डैशबोर्ड पर आधिकारिक रूप से प्रकाशित किया कि भारत की 64.3 प्रतिशत जनसंख्या, यानी 94 करोड़ से ज़्यादा लोग अब कम से कम एक सामाजिक सुरक्षा लाभ के अंतर्गत आते हैं। 2015 में यह आंकड़ा मात्र 19 प्रतिशत था। भारत अब विश्व में दूसरे स्थान पर है, जो लगभग 94 करोड़ नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान कर रहा है।

पुलिस महानिदेशक अरूण देव गौतम ने ली जिला रायपुर के सीसीटीएनएस ऑपरेटरों की बैठक

रायपुर (विश्व परिवार)। आज दिनांक 11.06.25 को पुलिस महानिदेशक छ.ग. श्री अरूण देव गौतम द्वारा सिविल लाईन रायपुर स्थित सी-4 भवन के सभाकक्ष में जिला रायपुर के थानों में पदस्थ सी.सी.टी.एन.एस. ऑपरेटरों की बैठक आहूत की गई। बैठक में पुलिस महानिदेशक महोदय द्वारा सी.सी.टी.एन.एस. ऑपरेटरों को सी.सी.टी.एन.एस. के संपूर्ण कार्यो को करने, ई-साक्ष्य का उपयोग करने, आई ओ मितान एप का उपयोग करने तथा समय सीमा में समस्त इंट्री करने एवं विवेचकों को इंट्री हेतु समस्त दस्तावेज तत्काल उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया है।

आरपीएफ निरीक्षक की सतर्कता से चलती ट्रेन में चढ़ते समय गिरने वाले यात्री की जान बची

रायपुर (विश्व परिवार)। दिनांक 10 जून 2025 को रेलवे सुरक्षा बल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के निरीक्षक समीर खलखो, जो अपराध गुप्तचर शाखा गोंदिया में पदस्थ हैं, सहायक उप निरीक्षक आर. एस. बागड़ेरिया के साथ राजनांदगांव रेलवे स्टेशन में ड्यूटी पर थे। इसी दौरान गाड़ी संख्या 07005 (चेरला पल्ली-रक्सौल एक्सप्रेस) सुबह 11:05 बजे स्टेशन पर पहुंची और निर्धारित ठहराव के उपरांत 11:09 बजे प्रस्थान कर रही थी। तभी एक यात्री चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास करते समय असंतुलित होकर गिर पड़ा और प्लेटफॉर्म व ट्रेन के मध्य फंस गया। यह घटना एक गंभीर दुर्घटना में बदल सकती थी, लेकिन प्लेटफॉर्म पर सतर्क खड़े निरीक्षक समीर खलखो ने तत्काल साहसिक कदम उठाया। उन्होंने दौड़कर यात्री को खींचकर सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

निरीक्षक समीर खलखो की त्वरित प्रतिक्रिया और सतर्कता से एक अनमोल जीवन की रक्षा हुई। बचाए गए यात्री ने कृतज्ञता व्यक्त करते हुए आरपीएफ के इस कार्य की सराहना की।

न्यायिक सक्रियता न्यायिक आतंकवाद में नहीं बदलनी चाहिए : सीजेआई गवई

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई ने ऑक्सफोर्ड यूनियन में कहा कि भारत में न्यायिक सक्रियता बनी रहेगी, लेकिन इसे न्यायिक आतंकवाद में नहीं बदलना चाहिए।

अधिवक्ता तन्वी दुबे द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए सीजेआई ने गवई ने कहा कि कुछ लोग सीमाएं लांघकर ऐसी जगह में प्रवेश करते हैं, जहां आमतौर पर न्यायपालिका को प्रवेश नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों की रक्षा के लिए न्यायपालिका को हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

सीजेआई गवई ने कहा, भारत में न्यायिक सक्रियता बनी रहेगी, लेकिन इसे न्यायिक सक्रियता को न्यायिक आतंकवाद में नहीं बदलना चाहिए। उन्होंने बताया कि न्यायिक समीक्षा का प्रयोग बहुत सीमित क्षेत्र में, बहुत अपवाद स्वरूप मामलों में किया जाना चाहिए, जैसे कोई कानून संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन करता हो, या संविधान के मौलिक अधिकार के साथ टकराव में हो, या कानून बहुत मनमाना होता तो कोर्ट इसका प्रयोग कर सकती हैं।

जाति को लेकर सीजेआई ने कहा, भारत में कई दशक पहले लाखों नागरिकों को अछूत कहा जाता था। उन्हें अशुद्ध बताया जाता था। कहा जाता था कि वे इस जाति के नहीं हैं। उन्हें बताया जाता था कि वे अपनी बात खुद नहीं कह सकते। लेकिन आज हम यहां हैं, जहां उन्हीं लोगों से संबंधित एक व्यक्ति देश की न्यायपालिका के सर्वोच्च पद पर आसीन होकर खुलकर बोल रहा है।

दैनिक
विश्व परिवार

रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार
रायपुर, गुरुवार 12 जून 2025
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

एनआईटी रायपुर में 5 दिवसीय योग प्रोटोकॉल अभ्यास सत्र का किया जाएगा आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून 2025) के उपलक्ष्य में एक 5-दिवसीय योग प्रोटोकॉल अभ्यास सत्र का आयोजन किया जाएगा। इस सत्र का उद्देश्य शिक्षकों, कर्मचारियों, उनके परिवारजनों एवं शोधार्थियों के बीच शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करना है। यह सत्र 16 जून 2025 से 20 जून 2025 तक प्रतिदिन प्रात: 7:00 बजे से 8:00 बजे तक डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम (योगा हॉल) हॉल एनआईटी रायपुर में आयोजित किया जाएगा। इस सत्र में संस्थान के बाहर के व्यक्ति भी शामिल हो सकते हैं। योग प्रोटोकॉल, आयुष मंत्रालय द्वारा डिज़ाइन किया गया एक मानकीकृत आसन एवं प्राणायाम का समूह है, जो विशेष रूप से प्रारंभिक योग अभ्यर्थियों के लिए तैयार किया गया है और अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर व्यापक रूप से अपनाया जाता है। इस सत्र में शामिल होने के लिए इच्छुक व्यक्ति डॉ. मंजू शुक्ला (7587068170) और श्री सूरज निषाद (9713214096) से संपर्क कर सकते हैं। यह 5-दिवसीय सत्र योग के महत्व और इसके लाभों के प्रति जागरूकता फैलाने में सहायक सिद्ध होगा, जिससे एनआईटी रायपुर द्वारा सभी में समुदाय एवं स्वास्थ्य की भावना का विकास होगा। सभी संबंधित लोगों की सक्रिय भागीदारी इस प्रयास को सफल बनाएगी और दूसरों को भी स्वस्थ जीवनशैली अपनाने हेतु प्रेरित करेगी।

बालोद में नदी की सफाई करते मजदूरों पर मधुमक्खियों का हमला, 15 मजदूर घायल, 1 महिला की हालत गंभीर

बालोद (विसं)। छत्तीसगढ़ के बालोद में बुधवार सुबह मधुमक्खियों के हमले में 15 मजदूर घायल हो गए, इनमें 1 घायल महिला की हालात गंभीर बताई जा रही है। हमला उस वक्त हुआ जब मजदूर नदी सफाई का काम कर रहे थे। मधुमक्खियों के हमले से मौके पर अफरा-तफरी मच गई, काम में लगे मजदूर इधर-उधर भागकर जान बचाई। जानकारी के मुताबिक, डौंडी थाना क्षेत्र के ग्राम किसनपुरी में मजदूर रोजगार गारंटी योजना के तहत नदी सफाई का काम कर रहे थे। इस बीच अचानक मधुमक्खियों के झुंड ने मजदूरों पर हमला बोल दिया। लोगों ने भागकर बचने की काफी कोशिश की, लेकिन तब तक मधुमक्खियों ने 15 मजदूरों को डंक मारकर घायल कर दिया। घटना के बाद सभी घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आमडुला लाया गया है। इनमें एक बुजुर्ग महिला की हालत गंभीर है।

आयुक्त अतुल विश्वकर्मा ने ली तकनिकी अधिकारियों की बैठक

अपने अपने वार्ड में अतिक्रमण व अवैध प्लाटिंग की जॉच करने, निर्माण कार्य के अलावा बिजली, पानी की स्थिति देखने दिये निर्देश

आयुक्त ने वृक्षारोपण के लिए उचित स्थल चयन करने कहा

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। नगर निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा तकनिकी अधिकारियों की बैठक लेकर निर्माण कार्यो की समीक्षा कर प्रतिदिन कार्यो की मानिटरिंग करने के अलावा अपने अपने वार्ड में अतिक्रमण होते देख नोटिस देकर हटाने तथा अवैध प्लाटिंग की जॉच करने के अलावा बिजली, पानी की भी स्थिति देख निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने वृक्षारोपण के लिए स्थल चयन सहित अन्य प्रक्रिया करने निर्देशित किए।

बैठक में आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने कहा कि सभी निर्माण कार्य जिनकी निविदा हो चुकी है, उसे प्रारंभ कराये तथा वार्डो में चल रहे निर्माण कार्य में तेजी लाकर समय सीमा में पूर्ण कराना सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि महापौर महोदय द्वारा भी समीक्षा बैठक में सभी कार्य चालू कर चालू कार्य में प्रगति लाने कहा गया है। उन्होंने शहर में चल रहे डामरीकरण कार्य की जानकारी लेकर शेष कार्य जल्द पूर्ण कराने कहा। उन्होंने वार्डवार निर्माण कायो की जानकारी लेकर कहा कि जिन ठेकेदारों के द्वारा अधुरे कार्य किये गये है और जिनके द्वारा कार्यादेश उपरांत कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है, उनसे बात कर काम चालू करावे नही करने की स्थिति में नोटिस जारी करे। गुणवत्ताहीन कार्यो के लिए ठेकेदार को नोटिस जारी कर कार्य सही करावे, सही कार्य का ही भुगतान के लिए आगे बढ़ावे। उन्होंने कहा कि प्रगतिरत कार्यो की चरणबद्ध बिलिंग करे, उपयोगिता प्रमाण पत्र भेजना सुनिश्चित करे।

आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने सार्वजनिक व सामुदायिक शौचालय मरम्मत कार्य की उप अभियंताओं से प्रगति की जानकारी लेकर कहा कि शौचालय मरम्मत कार्य बारिश के पूर्व पूर्ण करे, इस संबंध मे ठेकेदारो को निर्देशित करे। उन्होंने एसएलआरएम सेन्टर मरम्मत कार्य की जानकारी लेकर मरम्मत एवं पीठ निर्माण कार्य समय सीमा में पूर्ण करने कहा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री घोषणा, विधायक निधि, सांसद निधि तथा महापौर व पार्षद निधि के अप्रारंभ कार्य तत्काल प्रारंभ करावे, चालू कार्य समय सीमा में पूर्ण करावे। ठेकेदार को कार्यादेश के साथ साथ स्टीमेंट की भी कापी देवे और निर्देशित करे कि सभी साईड में प्लान की कापी उपलब्ध रहे, जिससे कार्य का मिलान कर सके।

आयुक्त ने बैठक में कहा कि बारिश के पूर्व सभी पानी टंकियों की सफाई कर लिकेज ठीक करावे व वाल्व मरम्मत करावे तथा वाहन आदि मरम्मत कर दुरूस्त रखे एवं सभी आवश्यक समाग्री का भंडारण रखे। उन्होंने अत्यधिक बारिश पर बाढ़ की स्थिति से निपटने आवश्यक व्यवस्था कर कन्ट्रोल रूप स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी सहायक अभियंताओ एवं कार्यपालन अभियंताओ से भी अपने अपने प्रभारित वार्ड के उप अभियंताओ से कार्यो की जानकारी लेकर मानिटरिंग करे कहा। किसी भी प्रकार की समस्या का तत्काल निराकरण करे। नागरिको व पार्षदों द्वारा बताये गये कार्य तथा उनकी समस्या का प्राथमिकता से निराकरण करे। इसके अलावा उन्होंने सभी उप अभियंताओ से कहा कि निर्माण कार्यो के अलावा अपने अपने क्षेत्र में अतिक्रमण भी देखे और अतिक्रमण पर नोटिस जारी कर हटाने की कार्यवाही करे। इसी प्रकार अवैध प्लाटिंग की जॉच कर संबंधित के विरूद्ध नोटिस जारी कर प्लाट ध्वस्त करे। इसके अलावा वार्ड में बिजली, पानी व अन्य कार्य की भी मानिटरिंग कर समस्या पर उसका निराकरण करावे।

आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने वृक्षारोपण के संबंध में प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी वृक्षारोपण के लिए अपने अपने वार्ड में स्थल चयन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण के लिए ऐसे स्थल का चयन करे जहॉ पौधे सुरक्षित रहकर पेड़ का रूप ले सके। वृक्षारोपण उपरांत उसकी उचित देख भाल करना है इस संबंध में आस पास के लोगो एवं वार्डवासियो को वृक्षारोपण से जोड पौधे की सुरक्षा करने समझाईस देवे। शासन की मंशानुरूप वोमेन फार ट्री तथा एक पेड मॉ के नाम पेड लगाने निर्देशित किया गया है, इस संबंध में जारी दिशा निर्देश के अनुसार कार्य करना सुनिश्चित करे। बैठक में कार्यपालन अभियंता श्री यू.के.रामटेके व श्री दीपक खांडे, सहायक अभियंता श्री प्रणय मेश्राम, प्र.सहायक अभियंता श्रीमती गरिमा वर्मा व श्री वसीम खान सहित उप अभिंयतागण उपस्थित थे।

महापौर मधुसूदन यादव आज वार्ड नं. 22 एवं 45 में विकास कार्यों के लिए करेंगे भूमिपूजन

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। नगर निगम द्वारा शासन स्वीकृति अनुसार वार्डो में विभिन्न विकास कार्य कराए जाते है। इसी कडी में वार्ड नं. 22 व 45 में स्वीकृत कार्य के तहत सीमेंट कांक्रिटींग रोड निर्माण तथा सामुदायिक भवन निर्माण के लिए कल दिनांक 12 जून गुरूवार को महापौर श्री मधुसूदन यादव भूमिपूजन करेगे। विकास कार्य के तहत वार्ड नं. 45 में विकास कार्य कराने दोपहर 12 बजे अटल आवास के पास सामुदायिक भवन एवं जीवन कालोनी में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए महापौर श्री मधुसूदन यादव द्वारा भूमपूजन किया जावेगा। इसी कडी में वार्ड नं. 22 के लिए स्वीकृत कार्यो में सीमेंट कांकिटींग रोड निर्माण तथा अनुपम नगर उद्यान में व नीलगिरी पार्क में शिव मंदिर के पास सामुदायिक भवन निर्माण के लिए वार्डवासियो की उपस्थिति में दोपहर 12:30 बजे अनुपम वाटिका अनुपम नगर में भूमिपूजन करेंगे।

टाउनशीप क्षेत्र में जलजनित बीमारियों से बचाव को लेकर बैठक आयोजित

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। आज बीएसपी टाउनशिप क्षेत्र में जलजनित बिमारी को लेकर निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडेय द्वारा आयुक्त कक्ष में बैठक ली गई। जिसमें जलजनित एवं मौसमी बिमारी को लेकर जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज दानी, जिला मलेरिया अधिकारी सी.बी.एस. बंजारे एवं बीएसपी के अधिकारियों को निगम के टाउन शीप क्षेत्र में आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए अग्रिम तैयारी कराए जाने, बैक लाईनों की सफाई, पुराने एवं जर्जर भवनों में जल भराव के समस्याओं को दूर करने के संबंध में निर्देष दिया गया। जिससे वर्षा का पानी भराव एवं बैकलाइन के अस्वच्छता से डायरिया, मलेरिया, डेंगू एवं अन्य जल जनित बीमारियों से बचा जा सकें।

आज आयुक्त पाण्डेय के निर्देश पर वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक के. के. सिंह द्वारा अपने दल के साथ वार्ड 32 बैकुंठधाम, कुम्हारपारा में जल जनित रोग दस्त, उल्टी-दस्त से बचाव के लिए निगम का विशेष दस्ता 42 घरों में संपर्क कर 194 सदस्यों से आवश्यक पूछताछ किया गया, वर्तमान में दस्त/उल्टी-दस्त के केस नहीं पाए गए। सभी सर्वेक्षित घरों में पानी उबालकर/ठंडा कर सेवन करने एवं बाजार के अस्वास्थ्यकर बासी एवं सड़े गले फल सब्जी का सेवन नहीं करने संबंधी स्वास्थ्य शिक्षा दी गई। सभी सर्वेक्षित 42 घरों में जल शुद्धिकरण हेतु 500 नग क्लोरीन टेबलेट वितरण कार्य किया गया।

भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा डेंगू की रोकथाम हेतु घर-घर सर्वे किए जाने हेतु जन जागरूकता लाने 120 स्वच्छता कर्मचारी उपलब्ध कराने जिसका भुगतान भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा किया जावेगा। भुगतान श्रम आयुक्त के दर पर बीएसपी द्वारा किया जाएगा। भिलाई इस्पात संयंत्र की मकानों के बैकलेन की साफ-सफाई, कचरा कलेक्शन हेतु वाहन एवं अन्य संसाधन भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा किया जाएगा। साथ ही बीएसपी के पुराने बिल्डिंग जहां पर जल भराव की स्थिति निर्मित हो रही है, उसको तोड़ने की कार्यवाही के लिए आयुक्त से मांग की गई है। जिससे छत पर जलभराव से जलजनित बिमारी फैलने की ज्यादा संभावना बनी हुई है। उसको रोकने के सुगम उपाय किया जावे।

समीक्षा बैठक के दौरान बीएसपी महाप्रबंधक के. के. यादव, वरिष्ठ प्रबंधक रमेश गुप्ता, सहायक प्रबंधक देवानंद चौहान, जोन आयुक्त कुलदीप गुप्ता, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, जोन सहायक स्वास्थ्य अधिकारी व्ही. के. सामुएल उपस्थित रहे।

शुद्ध पेयजल सप्लाई को लेकर आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन-3 में किया औचक निरीक्षण

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। आज आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय जोन क्रं. 03 मदर टेरेसा नगर के वार्ड क्रं. 32 कुम्हार पारा का औचक निरीक्षण करने पहुंचे। वार्ड में डायरिया प्रभावित क्षेत्र में शुद्ध पेयजल की उपलब्धता को लेकर भिलाई निगम द्वारा अभियान छेड़ा गया है। आयुक्त स्वयं सुबह 7:30 बजे से ही वार्ड जोन आयुक्त सतीश यादव, इंजीनियरों एवं पार्षद पति धर्मेन्द्र दिवाकर के साथ वार्डो का दौरा किए और विभिन्न स्थानों का निरीक्षण किए। जोन 03 के वार्डों में पेयजल को लेकर कोई समस्या न हो इसके लिए आयुक्त के निर्देश पर भिलाई निगम के सभी इंजीनियरों की अलग-अलग टीम बनाकर संपूर्ण वार्डों का सर्वे कार्य किया जा रहा है। वहीं स्वास्थ्य विभाग का अमला नालियों की सघन स्तर पर सफाई कार्य में जुटे हुए है, ताकि किसी भी प्रकार से जलजनित बिमारी न फैल सके।

वार्ड में पेयजल हेतु बिछाई गई पाईप लाइन को देखे और उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किए। कहीं पर भी पाइप लाईन में लिकेज की समस्या आ रही है तो उसका तत्काल संधारण कराये। संधारण के दौरान वार्ड में नागरिको को किसी प्रकार की पेयजल की समस्या न हो पाए, वार्ड के सभी गली, मोहल्लो में प्रतिदिन साफ-सफाई करते रहने, जरूरत पड़े तो पानी का सेंपल लेकर उसे लैब में जॉच के लिए भेजे। यदि पानी में शुद्वता न दिखे तो टैंकर के माध्यम से पानी सप्लाई करें। मितानिन डोर-टू-डोर नागरिको के घर पर जाकर जागरूक कर रही है और आवश्यक सलाह दे रही है। आयुक्त नागरिको से मिलकर उनको समझाए किसी प्रकार की डायरिया से संबंधित कोई लक्षण दिखे तो तत्काल डॉक्टर से सलाह ले और ईलाज कराए। बाहर के खादय सामग्री खाने से बचे, पानी उबालकर पिये, गर्म भोजन करें और सुरक्षित रहें।

तत्पश्चात सेक्टर 01 पिंक उद्यान का निरीक्षण किए और उद्यान अधिकारी तिलेश्वर कुमार साहू को निर्देशित किए की उद्यान में जो भी गाजर घास एवं अनावश्यक खरपतवार है, उसे निकलवा दिया जाए। वहां से होकर चंद्रा मोर्या टाकिज के समीप अंडरब्रिज में जलभराव की स्थिति को देखे उपस्थित कर्मचारियो से कहे कि वहां पानी का भराव न हो, जो भी कचरा फसता है उसे तत्काल निकलवा कर हटा दिया जाए। जिससे आने-जाने वाले नागरिको को किसी प्रकार की समस्या न हो और आवागमन बाधित न हो। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता संजय अग्रवाल, सहायक अभियंता नितेश मेश्राम, जोन सहायक राजस्व अधिकारी बसंत देवांगन, जोन स्वास्थ्य अधिकारी बीरेन्द्र बंजारे, सुपरवाईजर श्याम ठाकुर एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाजपा का संकल्प से सिद्धि अभियान आज से प्रारंभ होगा, जसविंदर बग्गा बनाए गए जिला संयोजक

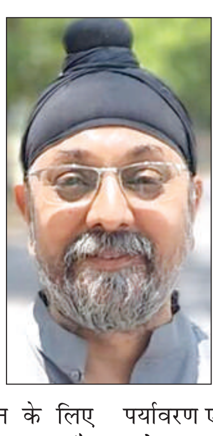

कवर्धा (विश्व परिवार)। केंद्र की मोदी सरकार के 11 पूर्ण होने पर भाजपा द्वारा देशभर में संकल्प से सिद्धी अभियान चलाया जा रहा है। इसका आगाज सोमवार को दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर किया। उन्होंने अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जिला भाजपा जिला अध्यक्ष राजेंद्र चंद्रवंशी ने बताया कि राजधानी रायपुर में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा बुधवार को इस अभियान की शुरुआत की जाएगी। जिले में इस अभियान के सफल कार्यान्वयन के लिए जसविंदर बग्गा को जिला संयोजक बनाया गया है, उनके साथ सहसंयोजक के रूप में अशोक चंद्रवंशी, सविता ठाकुर और मुकेश ठाकुर को रखा गया है। संकल्प से सिद्धि अभियान के जिला संयोजक जसविंदर बग्गा ने बताया कि इस अभियान में हर दिन शेड्यूल के हिसाब से कार्यक्रम होंगे। जिला एवं मंडल स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

12 जून को कवर्धा जिला मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस और प्रदर्शनी तथा प्रोफेशनल मीट का आयोजन किया जा रहा है जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक सम्मिलित होंगे।

13 से 15 जून तक सभी मंडलों में मंडल स्तर पर विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन किया जाएगा। 15 से 17 जून तक वार्ड, शक्ति केंद्र, बूथ स्तर पर चौपाल कार्यक्रम, सभी स्तर पर नेताओं का प्रवास भी होगा. 21 जून को योग दिवस का कार्यक्रम होगा। 5 जून पर्यावरण दिवस से लेकर 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस तक पौधरोपण, पर्यावरण एवं जल संरक्षण, एक पेड़ मां के नाम जैसे अनेक कार्यक्रम होंगे। 23 जून को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्य तिथि बलिदान दिवस के रूप में बूथ स्तर तक मनाई जाएगी। 25 जून आपातकाल की बरसी पर जिला स्तर पर सेमिनार, लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान, महाविद्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों में कार्यक्रम तथा आपातकाल की बर्बरता का चित्रण करती प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

सभी कार्यक्रमों के लिए पार्टी ने जिला और मंडल स्तर पे टोलियों का निर्माण कर उन्हें जिम्मेदारी सौंप दी है।

पंडोपारा स्कूल में लौटी रौनक, युक्तियुक्तकरण से शिक्षक पहुंचे

रायपुर (आरएनएस)। कोरबा शहर से करीब 100 किलोमीटर दूर घने जंगलों के बीच बसा पंडोपारा गांव, जहां पंडो जनजाति के लोग रहते हैं। यहां जब पहली बार स्कूल खुला था, तो गांव में खुशी की लहर दौड़ गई थी। पालकों को उम्मीद थी कि उनके बच्चे अब शिक्षा से जुड़ेंगे और जीवन में आगे बढ़ेंगे। लेकिन इस उम्मीद पर तब पानी फिरने लगा, जब स्कूल में सिर्फ एक शिक्षक ही पदस्थ था।

विद्यालय में एकमात्र शिक्षक होने के कारण बच्चों की पढ़ाई पर असर पड़ रहा था। कभी शिक्षक छुट्टी पर होते, तो पूरी कक्षा बिना पढ़ाई के खाली बैठती थी। कई बार बच्चे सिर्फ स्कूल आकर दिनभर समय बिताकर लौट जाते थे। इस स्थिति से बच्चों के साथ-साथ पालक भी बेहद चिंतित रहते थे।

छात्रावास अधीक्षकों की पदस्थापना में पूर्ण पारदर्शिता बरती : रामविचार नेताम

मंत्री नेताम काउंसिलिंग के माध्यम से पदस्थापना के लिए दिशा-निर्देश जारी

रायपुर (आरएनएस)। जाति तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम ने कहा है कि वर्ष 2022, 2023 एवं 2025 में पदोन्नत हुए छात्रावास अधीक्षकों की पदस्थापना में पूर्ण पारदर्शिता बरती जाए। उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया को काउंसलिग के माध्यम से संपन्न कराया जाए। मंत्री नेताम ने यह निर्देश मंगलवार को आदिम जाति तथा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, नवा रायपुर में 19 जिलों के सहायक आयुक्त एवं परियोजना प्रशासकों के साथ विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक में दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में संचालित 3357 छात्रावास-आश्रमों में छात्रावास अधीक्षक रीढ़ के समान है। इस पर संबंधित संस्था के सुचारू रूप से संचालन की सबसे प्रमुख जिम्मेदारी होती है। अत: इनकी नियुक्ति, सेवा शर्तें, पदोन्नति एवं पदस्थापना संबंधी कार्यों पर प्रमुखता से ध्यान देने की जरूरत है। आदिम जाति विकास मंत्री नेताम ने कहा कि वर्ष 2022 में आयुक्त कार्यालय के आदेश द्वारा कुल 491 छात्रावास अधीक्षकों को श्रेणी द से श्रेणी स के पद पर पदोन्नत किया गया है।

संतु चक्रेस को मिला सपनों का आशियाना, मुख्यमंत्री से पक्के मकान की चाबी पाकर भावुक हुए बुजुर्ग

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण न सिर्फ जरूरतमंदों को पक्का मकान दे रही है, बल्कि उनके सपनों को भी नया ठौर और आत्म-सम्मान दे रही है। ऐसी ही एक कहानी है जशपुर जिले के कांसाबेल विकासखंड के ग्राम दोकड़ा निवासी 70 वर्षीय संतु चक्रेस की।

वर्षों तक कच्चे घर में कठिन परिस्थितियों में जीवन बिताने वाले बुजुर्ग संतु चक्रेस आज बेहद प्रसन्न हैं क्योंकि उन्हें उनका पहला पक्का घर मिल गया है। खास बात यह रही कि इस घर की चाबी उन्हें मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के हाथों से मिली, जब वे हाल ही में जशपुर प्रवास पर थे। भावुक संतु चक्रेस ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि उम्र के इस पड़ाव में जब चिंता से मुक्त होकर जीना चाहता है, तब यह पक्का मकान मेरे लिए भगवान का आशीर्वाद है। अब मुझे और मेरे परिवार को न तो बारिश से डर है और न ही जहरीले जीव-जंतुओं से। अब हमारा भी एक सुरक्षित और मजबूत आशियाना है। संतु चक्रेस ने बताया कि उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान स्वीकृत हुआ था, जो अब पूर्ण रूप से बनकर तैयार है। यह महज एक मकान नहीं, बल्कि उनके लिए आत्म-सम्मान, सुरक्षा और स्थायित्व का प्रतीक है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /21483/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 10-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21483
वार्ड का नाम- 1 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 1 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801Q00009** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **INDOWORTH INDIA LIMITED** पिता/पति, श्री/श्रीमती .... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SIMRANJIT KAUR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MANJIT SINGH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /21492/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 11-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21492
वार्ड का नाम- 1 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 1 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801O00070** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SURENDER KUMAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAMKUMAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHAHRUK RANA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **UMEED RANA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /21528/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 11-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21528
वार्ड का नाम- 1 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 1 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801L01267** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **LALIT RATHORE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAJARAM RATHORE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **GUNJA JHA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **CHANDAN KUMAR JHA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /21550/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 11-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21550
वार्ड का नाम- 1 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 1 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801O00040** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **C.R. RAMCHANDRAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती .... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **C.R. LAXMI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. C.R. RAMCHANDRAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को : योग संगम – हरित योग थीम पर होगा आयोजन

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार) आगामी 21 जून को ग्यारहवें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस (ढ्ढठ्ठह्लद्गह्म्ठ्ठड्डह्लद्बशठ्ठड्डद्य ङ्घ4 श्द्ब ङ्कश्द्दड्ड) के अवसर पर ÷योग संगम÷ - ÷हरित योग÷ थीम के अन्तर्गत पूरे जिले में व्यापक स्तर पर योग कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा निर्धारित इस वर्ष की फ्लैगशिप थीम के अनुरूप जनपद/नगर मुख्यालय तथा ग्राम पंचायत स्तर तक विविध योग गतिविधियां संचालित होंगी।

इन प्रमुख स्थलों पर होंगे सामूहिक योग अभ्यास– इस अवसर पर जिले के शासकीय/निजी महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, विद्यालयों, छात्रावासों, सार्वजनिक उपक्रमों, निजी उद्योगों, जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आम नागरिकों की भागीदारी के साथ योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकायों के प्रमुख स्थलों जैसे ऐतिहासिक, धार्मिक, सार्वजनिक महत्व के स्थानों, अमृत सरोवर, पार्क एवं पर्यटन स्थलों पर सामूहिक योगाभ्यास किया जाएगा।

पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी गतिविधियां–÷हरित योग÷ थीम के अनुरूप योग दिवस के कार्यक्रमों में पौधरोपण, बीज वितरण, पौध संरक्षण, स्वच्छता अभियान एवं पर्यावरण जागरूकता जैसी गतिविधियों को भी सम्मिलित किया जाएगा। इससे योग के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।इसके अलावा युवाओं में योग के प्रति रुचि व जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ÷योग अनप्लगड÷ थीम पर छात्र-छात्राओं को जोड़ते हुए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

आगामी 15 से 21 जून तक 'योग सप्ताह' का आयोजन– ÷योग महाकुंभ÷ थीम के तहत 15 से 21 जून तक योग सप्ताह मनाया जाएगा। इस दौरान हर जिले में जनसामान्य, एनजीओ, संस्थाओं और विद्यार्थियों की भागीदारी से विभिन्न योग गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

योग समावेश÷ थीम के अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांगजन, वंचित समूह, विशेष रूप से पिछड़ी जनजाति और समस्त आयु वर्ग के महिला-पुरुषों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। जिले के सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस आयोजन में सक्रिय भागीदारी करें और योग को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं।इन योग कार्यक्रमों में सम्मिलित होने वाले प्रत्येक व्यक्ति अथवा आयोजन संस्था (सरकारी,निजी,स्वैच्छिक), आयुष विभाग के पोर्टल https://yoga.ayush.gov.in पर पंजीयन कराना अवश्यक है।

सूरजपुर पुलिस व उनके परिजनों के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

250 से अधिक हुए लाभान्वित, स्वस्थ रहना है बेहद जरूरी –एसएसपी

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर रक्षित केंद्र स्थित सामुदायिक भवन में पुलिस जवानो, अफ्सरों व उनके परिजनों के लिए निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन बुधवार, 11 जून 2025 को किया गया। इसमें जिला चिकित्सालय के डॉक्टरों व उनकी टीम के द्वारा स्वास्थ्य जांच की गई। शिविर में जवानों, अफ्सरों व परिजनों के ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर सहित अन्य परीक्षण किये गए। स्वास्थ्य जांच शिविर में जिला पुलिस बल के लगभग 250 अधिकारियों व कर्मचारियों सहित परिजनों ने अपना जांच कराया एवं स्वास्थ्य परामर्श लिया। स्वास्थ्य जांच के बाद डॉक्टरों ने जवानों को नियमित रुप से स्वास्थ्य जांच कराने की भी सलाह दी। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने बताया कि स्वास्थ्य सबसे बड़ी पूंजी है। खासकर पुलिसकर्मियों का स्वस्थ रहना तो और भी जरूरी है। लोगों को बेहतर सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए उन्हें स्वस्थ रहना होगा। स्वास्थ्य शिविर तो हर जगह आयोजित होते रहते हैं लेकिन यह स्वास्थ्य शिविर मुख्य रूप से पुलिस कर्मियों के लिए आयोजित किया गया है क्योंकि पुलिस कर्मचारी के लिए अत्यंत व्यस्तता के चलते अपने स्वास्थ्य का ध्यान नहीं रख पाना मुश्किल हो जाता है। इस प्रकार के मेडीकल कैम्प के आयोजन से समय रहते हमारे पुलिस परिवार के लोग गंभीर बीमारियों से बच सकते हैं। उन्हें प्राथमिक स्तर पर ही बीमारी की जानकारी प्राप्त हो जाती है जिससे वह समय रहते उपचार लेकर स्वस्थ्य रह सकते हैं। हमारा प्रयास होगा कि भविष्य में इस तरह के स्वस्थ्य शिविरों का आयोजन होता रहे। उन्होंने स्वास्थ्य शिविर शामील डॉक्टरों व उनकी टीम के अमुल्य समय पुलिस एवं उनके परिवारजनों को देने के लिए आभार व्यक्त जताया। इस शिविर में एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा, रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी, निरीक्षक प्रकाश राठौर, जावेद मियादांद, पुलिस लाईन, थाना व चौकी के पुलिस अधिकारी व जवानों तथा उनके परिजन लाभान्वित हुए। जिला चिकित्सालय के सीएचओ सरस्वती यादव, उषा सिंह, आरएचओ बालेश्वर मिश्रा, डिम्पल पाण्डेय, मुकेश देवांगन, बिंदेश कुशवाहा, माया शर्मा, एएनएम नीता साहू, लवांगों राजवाड़े, राजकुमारी राजवाड़े ने स्वास्थ्य शिविर में सक्रिय भूमिका निभाई।

एस पी के अनुशंसा पर कलेक्टर ने आदतन कबाड़ी एवं अपराधी का किया जिलाबदर

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)-अवैध कार्यो सहित आदतन अपराधी कबाड़ी के विरूद्ध सूरजपुर पुलिस के द्वारा सख्ती बरती जा रही है तथा पूर्व में भी सख्ती से कार्यवाही की गई थी। लगातार गंभीर आपराधिक गतिविधियों में संलिप्तता के कारण सूरजपुर पुलिस ने 1 आदतन अपराधी के विरूद्ध जिला बदर की अनुशंसा पर कलेक्टर सूरजपुर ने आदतन अपराधी को एक वर्ष की अवधि के लिए जिलाबदर का आदेश जारी किया है।

जिले में शांती एवं सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाये रखने के लिए अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों एवं कबाड़ी आदतन आरोपियों पर सतत निगरानी रखी जा रही हैं और अवैध गतिविधियों पर कड़ी कार्यवाही की जा रही है। इसी तारतम्य में डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर के अनुशंसा पर कलेक्टर सूरजपुर श्री एस. जयवर्धन ने जिले के कबाड़ी आदतन अपराधी नितेश कुमार पिता विश्वनाथ सिंह उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम पउवापारा, थाना विश्रामपुर के विरूद्ध जिला बदर का आदेश जारी किया है।

छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा-5 के तहत दाण्डिक प्रकरण में पारित आदेश के अनुसार आदतन अपराधी कबाड़ी नितेश कुमार को 10 जून 2025 से जिला सूरजपुर तथा समीपवर्ती राजस्व जिला सरगुजा, कोरबा, कोरिया, बलरामपुर-रामानुजगंज, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छत्तीसगढ), सिंगरौली मध्यप्रदेश जिला क्षेत्र से 1 वर्ष की अवधि के लिए बाहर चले जाने और जब तक यह आदेश लागू रहेगा, बिना वैधानिक पूर्व अनुमति लिए इस जिले एवं उल्लेखित जिलों की सीमा में प्रवेश नहीं करने, आदेश का पालन न करने पर वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। कबाड़ी आदतन अपराधी नितेश कुमार के विरूद्ध कुल 20 प्रकरण जिनमें 1 हत्या का प्रकरण, 1 हत्या का प्रयास, 2 मारपीट, गाली-गलौज, 4 नकबजनी के साथ आर्म्स एक्ट एवं लोक सम्पत्ति क्षति निवारण अधिनियम, 1 चोरी एवं 10 बार परिशांति कायम रखने प्रतिबंधक धाराओं के तहत कार्यवाही की गई है।

दिव्यांग सोनेलता को जनदर्शन में मिला आवास का अधिकार, कलेक्टर की संवेदनशील पहल लाई मुस्कान

मुंगेली (विश्व परिवार)। कलेक्टर कुन्दन कुमार की संवेदनशील पहल से ग्राम देवरी की दिव्यांग महिला सोनेलता को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत तत्काल आवास स्वीकृति आदेश प्राप्त हुआ। जनदर्शन में अपनी समस्या लेकर पहुंची सोनेलता ने कलेक्टर से बताया कि वह कच्चा मकान में जीवन यापन कर रही हैं, जहां बरसात के समय छत से पानी टपकता है और जहरीले जीव-जंतुओं का भय बना रहता है। आर्थिक रूप से अत्यंत कमजोर सोनेलता ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की गुहार लगाई। जिस पर कलेक्टर कुमार ने तुरंत संज्ञान लेते हुए जिला समन्वयक को पात्रता जांच के निर्देश दिए और पात्रता प्रमाणित होने पर तत्काल आवास स्वीकृति आदेश पत्र प्रदान किया। इस पर भावुक होकर सोनेलता ने शासन-प्रशासन के प्रति आभार प्रकट किया और कहा कि अब उन्हें और उनके परिवार को सुरक्षित छत मिलेगी। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभाकर पाण्डेय भी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने कहा कि शासन की मंशा है कि कोई भी पात्र हितग्राही आवास योजना के लाभ से वंचित न रहे। शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, यही प्रशासन की प्राथमिकता है।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 : सहकारी समितियों हेतु कार्यशाला आयोजित

मुंगेली (विश्व परिवार)। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अंतर्गत एनसीडीसी रायपुर द्वारा जिले के प्राथमिक सहकारी समितियों व पैक्स हेतु 09 मई को जिला कलेक्टोरेट स्थित जनदर्शन कक्ष में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार की 56 प्रमुख पहलों और एनसीडीसी की योजनाओं, क्रियाकलापों एवं वित्त पोषण पर चर्चा की गई। कार्यशाला में सहायक आयुक्त सहकारिता हितेश श्रीवास, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के नोडल अधिकारी संतोष ठाकुर, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक आर.के. गेंदले एवं आर डी केशरवानी तथा एनसीडीसी से शुभम साहू मौजूद रहे। इस दौरान समस्त समितियों को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष का सुलभ प्रयोग करने के साथ ही योजनाओं के अंतर्गत युवा सहकार, एआईएफ, एफ्पीओ, एएमआई, पीएमएफएमई, एएचआईडीएफ, एनएलएम आदि के बारे में जानकारी दी गई। कार्यशाला के दौरान सहायक आयुक्त सहकारिता ने सहकारी समितियों को विभिन्न महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने खाद-बीज का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित करने, केसीसी कार्डधारी किसानों की संख्या में वृद्धि करने, माइक्रो एटीएम के माध्यम से लेनदेन को प्रोत्साहन करने, सीएससी के कार्यों में प्रगति लाने तथा अधिकाधिक किसानों को योजनाओं से लाभान्वित करने हेतु आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

नगर के हृदयस्थल में पौधरोपण कार्यक्रम में शामिल हुए बस्तर सांसद

पौधरोपण के साथ साथ उनका संरक्षण भी आवश्यक :– महेश कश्यप

जगदलपुरः (विश्व परिवार)। शहर के प्रताप देव वार्ड-11 में 'इंद्रावती बचाओ अभियान समिति' के सहयोग से आज आयोजित 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान कार्यक्रम में शामिल हो कर बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया है।

शहरवासियों के साथ बस्तर सांसद ने वार्ड में स्थित जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के समीप पौधरोपण कर संरक्षण का संकल्प लिया है।

माँ के प्रति श्रद्धा और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी दोनों का ये सुंदर संगम हमारे बस्तर की धरोहर, नदियाँ, जंगल और जलवायु को संजोना की शानदार पहल है।

जगदलपुर वन मंडल द्वारा यह शहर के हृदय स्थल प्रताप वार्ड में स्थित कंक्रीट वाले क्षेत्रों पर पौधारोपण किया जा रहा यह पहला प्रयास है जहां पर कंक्रीट को हटाकर विभिन्न प्रकार के फ्लदार एवं फूलदार पौधे रोपण किए जा रहे है।

इस अवसर पर इंद्रावती बचाओ अभियान के सदस्य इस मुहिम में शामिल है संपत झा ,शिरीष मिश्रा, सूरज मिश्रा ,पार्षद श्रीमती उमा मिश्रा, वन मंडलाधिकारी उत्तम गुप्ता ,उप मंडलाधिकारी चित्रकूट योगेश रात्रे, वन परिक्षेत्र अधिकारी देवेन्द्र वर्मा ,जयराज पात्र, गोपाल नाग, कृष्णा दुबे, सत्यजीत भट्ट,शशांक श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में वार्ड वासी उपस्थित रहे ।

पर्यावरण को स्वस्थ और सुंदर बनाए रखने के लिए सभी का सामूहिक प्रयास आवश्यक है:– सांसद– किसी भी विशेष अवसर पर कम से कम एक पौधा जरूर लगाएं। सिर्फ विश्व पर्यावरण दिवस पर ही नहीं बल्कि शुभ अवसरों पर भी पौधरोपण जरूर करें और उसके संरक्षण का कार्य भी करें। पेड़-पौधों का भी अपना परिवार है। इनकी रक्षा करना हमारा दायित्व है। मौजूदा दौर में पौधरोपण की अधिकाधिक जरूरत महसूस की जा रही है। पौधरोपण के जरिए ही हम पर्यावरण की रक्षा कर सकते हैं। इसी से पर्यावरण की शुद्धि बनी रह सकेगी।

जन्मदिन व विवाह की वर्षगांठ पर लगाएं पौधे– श्री कश्यप ने कहा कि किसी विशेष अवसर जैसे अपने जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ आदि पर भी पौधरोपण कर सकते है। इस समय हमारा पर्यावरण दूषित हो रहा है। यदि हमने पौधे नहीं लगाए व उनका ध्यान नहीं रखा तो आने वाले समय में हमें आक्सीजन की कमी एवं अनेक बीमारियों से ग्रसित होना पड़ेगा। इस मुहिम में सभी क्षेत्रवासियों को बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले कर वातावरण को शुद्ध रखने के लिए शहयोग प्रदान करना होगा।

'शराब दुकान का प्रस्ताव कांग्रेस की देन, आज कर रहे नाटक' - महापौर संजय पाण्डे

कांग्रेस की दोहरी नीति उजागर,,जिसने शराब का बीज बोया, वही आज अफ्वाह फैला रही हैक्र

जनभावनाओं का होगा सम्मान ,जिला प्रशासन के साथ समाज एवं संगठनो की बैठक से ही होगा कोई भी निर्णय– संजय पाण्डे

जनता के साथ महापौर, कांग्रेस पर किया करारा हमला ङ्क क्रनैतिकता का पाठ पढ़ाने वालों ने ही शराब फैलायाक्र

जगदलपुर (विश्व परिवार)। शहर के कोतवाली थाना के ठीक सामने स्थित व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स में प्रस्तावित शराब दुकान को लेकर नगर निगम महापौर संजय पाण्डे ने स्पष्ट किया है कि यह मात्र कांग्रेस द्वारा प्रायोजित भ्रम और अफ्वाह मात्र है ।नगर निगम जनता की भावनाओं का पूर्ण सम्मान करता है और ऐसी किसी भी योजना को समर्थन नहीं देगा जो रिहायशी एवं धार्मिक स्थलों के समीप सामाजिक वातावरण को प्रभावित करे।

महापौर संजय पाण्डे ने कहा कि ÷नगर निगम में शराब दुकान से संबंधित कोई प्रस्ताव सम्मिलित नहीं किया गया है, यह पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की उपज है । जनता की आपत्ति और धार्मिक, सामाजिक भावनाओं का हम पूरा सम्मान करते हैं।÷ उन्होंने कहा कि यह मुद्दा केवल धार्मिक आस्था और कानून व्यवस्था से जुड़ा ही नहीं है, बल्कि महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं की सुरक्षा और क्षेत्र की सामाजिक संरचना से भी गहराई से जुड़ा हुआ है ।

महापौर पाण्डे ने विशेष रूप से उल्लेख किया कि कांग्रेस ने अफ्वाह फैला कर जिस स्थल को प्रस्तावित स्थल बताया है , वहाँ से केवल 100 से 150 मीटर के दायरे में श्री जैन श्वेताम्बर मंदिर, श्री शंकर मंदिर, पुलिस कॉलोनी, एसबीआई बैंक, पुलिस अधीक्षक कार्यालय एवं अन्य शासकीय कार्यालय स्थित हैं। ऐसे में किसी भी सूरत में यह स्थान शराब दुकान के संचालन हेतु उपयुक्त नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा कि नियमानुसार भी किसी भी शराब दुकान को धार्मिक व रिहायशी स्थलों से उचित दूरी पर होना चाहिए।

महापौर संजय पाण्डे ने इस पूरे प्रकरण को लेकर कांग्रेस पार्टी की कथनी और करनी पर तीखा हमला बोला और कहा कि ÷आज जो कांग्रेस शराब दुकान के खिलाफ ज्ञापन देने और विरोध करने का ढोंग कर रही है, वह केवल जनता को गुमराह करने का एक राजनीतिक हथकंडा है। सच्चाई यह है कि कोतवाली थाना के सामने जिस स्थान पर शराब दुकान खोले जाने का प्रस्ताव आया, वह मूलतः पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की उपज है। उसी सरकार के दौरान आबकारी मंत्री रहे कवासी लखमा स्वयं नगर निगम आए थे, और इसी स्थल पर शराब दुकान खोलने का प्रस्ताव लेकर आए थे। उस समय मैंने विपक्ष का नेता रहते हुए भाजपा पार्षदों के साथ मिलकर सड़क पर उतरकर विरोध किया, धरना-प्रदर्शन भी किया। लेकिन तब कांग्रेस के किसी भी नेता या जनप्रतिनिधि ने जनता की भावनाओं की चिंता नहीं की, न ही कोई विरोध किया। आज जब प्रशासन द्वारा प्रस्ताव को अमल में लाने की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है, तब कांग्रेस अचानक से जनता के साथ खड़े होने का दिखावा कर रही है। यह अवसरवादिता की पराकाष्ठा है।

केंद्र की मोदी सरकार ने संवैधानिक संस्थाओं और लोकतांत्रिक व्यवस्था को कर रही तार-तार- प्रेमशंकर शुक्ला

देश का संविधान सर्वोच्च,ईसकी रक्षा हेतु कांग्रेस पार्टी हमेशा तत्पर– सुशील मौर्य

केंद्र और राज्य में भाजपा की सरकारें संवैधानिक मूल्यों की कर रही अनदेखी

जगदलपुर (विश्व परिवार)। आज छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी शहर/ग्रामीण के संयुक्त नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं के द्वारा सम्भाग मुख्यालय राजीव भवन से संविधान बचाओ यात्रा अभियान के तहत विशाल मशाल रैली रिकाली गई...

यह मशाल रैली राजीव भवन से शुरू होकर शहर के मुख्य मार्ग महारानी अस्पताल चौंक से महावीर चौंक, सिरहसार से लेकर मिताली चौंक होते हुए पुनः राजीव भवन में इस मशाल रैली यात्रा का समापन हुआ.... शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने बताया कि केंद्र और राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकारें लगातार संवैधानिक मूल्यों की अनदेखी कर रही हैं। यहां तक कि शासन-प्रशासन भी संविधान के हिसाब से नहीं चल रहा है, भाजपा सरकार आदिवासियों और महिलाओं के अधिकारों का लगातार हनन किया जा रहा है। वही विपक्षी दलों की आवाज को दबाने के लिए भाजपा सरकार केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। इसलिए संविधान की रक्षा के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर कांग्रेस पार्टी पूरे प्रदेश के हर ज़िले और ब्लॉक स्तर पर 'संविधान बचाओ यात्रा' आयोजित कर रही है।

इस तारतम्य में आज संविधान विरोधी भाजपा सरकार के खिलाफ बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा मशाल रैली निकाली गई...

ग्रामीण अध्यक्ष प्रेमशंकर शुक्ला ने कहा संविधान को बचाना हमारा परम कर्तव्य है.और इस कर्तव्य को पूरा करने के छत्तीसगढ़ का एक-एक कांग्रेसी कार्यकर्ता पूरी मजबूती के साथ इस कर्तव्य को निभाएगा.संविधान को एक तरफ अपनी मर्जी से चलाने की कोशिश करने वाली सत्ता में काबिज भाजपा सरकार के खिलाफकांग्रेस द्वारा संविधान बचाओ अभियान चलाया जा रहा है,आज संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जा हो रहा है. नियमों को ताक पर रखकर एक तरफ उसका संचालन किया जा रहा है जनता और छात्रों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचला गया है.जब देश में सिर्फ और सिर्फ नफ्रत की राजनीति को बढ़ावा देकर समाज में डर और असुरक्षा का माहौल बनाया जा रहा है.यह हमारे संविधान पर हमला है.संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए कांग्रेस पार्टी सदन से लेकर सड़क तक लड़ाई लड़ेगी..

इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेसी रामशंकर राव, हनुमान द्विवेदी,अंगद त्रिपाठी, जगदलपुर पूर्व विधायक रेखचंद जैन, उपनेता प्रतिपक्ष कोमल सेना,महिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष लता निषाद,ब्लॉक अध्यक्ष सहदेव नाग,उपाध्यक्ष सेमीयल नाथ, अल्पसंख्यक अध्यक्ष रोजवीन दास,यूंका अध्यक्ष अजय बिसाई, एनएसयूआई अध्यक्ष विशाल खंबारी, महामंत्री महेश द्विवेदी, राजेश राजेश राय, रविशंकर तिवारी, प्रकाश अग्रवाल, गौरनाथ नाग, बलराम यादव, कमलेश पाठक,पार्षद सूर्योपानी, सुशीला बघेल,अफ्रोज बेगम, गौतम पाणिग्रही, शुभम् यदु, लोकेश चौधरी, जस्टिन भवानी, शहनाज बेगम,राकेश मौर, रोहित पाणिग्रही,सायमा अशरफ् एस नीला, लोकेश नंदा,पंकज केवट, कर्तव्य आचार्य,मनिता राउत, उस्मान रजा, शेख अयाज,एडविन मार्क, राजेंद्र पटवा, आनफ्ज खान,खीरेंद्र यादव समस्त वरिष्ठ कांग्रेसजन, पार्षदगण,सेवादल, महिला कांग्रेस,युवा कांग्रेस, एनएसयूआई सहित समस्त मोर्चा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे....

बस्तर जिले से जगदलपुर की प्रसिद्ध समाज सेवी संस्था निशा स्वर वेलफेयर फाउंडेशन को रायपुर मैं मिला 2025 पुण्य श्लोका रानी अहिल्या बाई होलकर सम्मान

जगदलपुर (विश्व परिवार)। बस्तर जिले के जगदलपुर नगर की प्रसिद्ध समाज सेवी संस्था निशा स्वर वेलफेयर फाउंडेशन को रायपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ प्रांत से समाज सेवा में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु पुण्य श्लोका रानी अहिल्या बाई होलकर सम्मान से सम्मानित किया गया है। निशा नागवंशी और झरना मोहंती को यह सम्मान उदय चेरिटेबल वेलफेयर फाउंडेशन रायपुर द्वारा विगत 9 जून को प्रदान किया है।सम्मान पर उन का कहना है कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर जी ने अपना पूरा जीवन समाज और लोक कल्याण के समर्पित कर दिया , आज सभी उनके सेवा भाव से ही प्रेरित हैं यह सम्मान प्राप्त करना हमारे संस्था के लिए गर्व और सम्मान का विषय है।

संपादकीय

पीओके वापस लौटेगा

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के लोगों को भारतीय परिवार का हिस्सा बताते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि दिन दूर नहीं जब वे खुद भारत की मुख्यधारा में लौट आएंगे। भारतीय उद्योग परिसंघ के बिजनेस समिट में अपने संबोधन में सिंह ने कहा कि हमारा मानना है कि हमारा अपना हिस्सा पीओके वापस लौटेगा और कहेगा, मैं भारत हूं, वापस आ गया हूं। सिंह ने कहा कि वहां रहने वाले हमारे इन भाइयों की हालत कुछ ऐसी है, जैसे महाराणा प्रताप के छोटे भाई शक्ति सिंह की थी। जैसा कि महाराणा प्रताप शक्ति के अलग हो जाने पर कहते थे-तब कुपथ को छोड़, सुपथ पर स्वयं चला आएगा, मेरा ही भाई है मुझ से दूर कहां जाएगा। लेकिन महाराणा के भाई की याद करते हुए भूलना नहीं होगा कि रावण का भाई विभीषण ही उसके अंत का कारण बना था। पाकिस्तान पर सैन्य हमले, स्वदेशी रक्षा क्षमताओं के बेहतरीन प्रदर्शन और पहली दफा दुश्मन मुल्क में घुस कर आतंकवादी ठिकानों पर प्रभावी कार्रवाई से तय रूप से भारत के हौंसलों को बल मिला है। पाकिस्तान के आंतरिक हालात, राजनीतिक अस्थिरता, मंहगाई और बेरोजगारी से अवाम त्रस्त है। पीओके के उत्तरी इलाकों गिलगित, बाल्टिस्तान, डायमिर, गीजर और घांचे में तकरीबन पंद्रह लाख आबादी है। भारत विभाजन के बाद ही पाक ने जम्मू-कश्मीर के इस हिस्से पर हमला कर दिया था। तब से यह इलाका विवादों से घिरा है पर कश्मीर के तकरीबन 35त्न हिस्से पर पाक का कब्जा है परंतु भारत इसे अपना अभिन्न हिस्सा मानता है। यहां की आबादी मुख्यतया मुसलमानों की है, चुनिंदा ईसाई रहते हैं। उनके स्वयं भारत आने का इस तरह की काल्पनिक बातें करने से पहले केंद्रीय मंत्री को देश के भीतर रहने वाले मुसलमानों के प्रति सहिष्णुता दिखानी सीखना होगा। भाजपा के कार्यकाल में हो रहे सांप्रदायिक पक्षपात की अनदेखी नहीं की जा सकती। भारत-पाक के बीच संघर्ष व युद्ध विराम को दोनों मुल्कों की सरकारें जुबानी वाद-विवाद तथा आरोप-प्रत्यारोप द्वारा अपने-अपने देशवासियों को प्रभावित करने में भरसक जुटी दिख रही हैं। यह कोई बर्लिन की दीवार नहीं है, जो विभाजन को नेस्तनाबूद करने के लिए झटके से गिरा दी जाए।

विषाक्त रिश्तों का युग-आधुनिकता की चकाचौंध में संस्कारों की आहुति

(समाज की नई चिंता, बदलते रिश्तों की दास्तान)

डॉ. सुनील जैन

भारतीय समाज में विवाह को पवित्र बंधन माना जाता है, जिसमें नारी को त्याग, सेवा और सहनशीलता की प्रतिमूर्ति माना गया है। भारतीय संस्कृति में विवाह को केवल सामाजिक व्यवस्था नहीं, बल्कि दो आत्माओं का मिलन और सात जन्मों का बंधन माना गया है। 'पति-पत्नी' का रिश्ता न केवल एक पारिवारिक इकाई का आधार है, बल्कि समाज की स्थिरता और नैतिक संरचना का भी मूल स्तंभ है। परंतु आज जिस प्रकार से देश में पति की नृशंस हत्या की घटनाएँ सामने आ रही हैं, वे न केवल रिश्तों की विकृति को दर्शाती हैं, बल्कि समाज के मूल्यों की गिरती स्थिति की भयावह तस्वीर भी प्रस्तुत करती हैं। हाल के वर्षों में जो घटनाएँ सामने आई हैं, वे झकझोर देती हैं। विशेषकर वह घटनाएँ जिनमें पत्नी द्वारा पति की नृशंस हत्या की जाती है, समाज को सोचने पर विवश कर रही हैं। हालांकि इन घटनाओं से हम सम्पूर्ण नारी जगत को कटघरे में खड़ा नहीं कर सकते।

सामाजिक संरचना में दरार : पारंपरिक पारिवारिक ढांचे में प्रेम, विश्वास और परस्पर सम्मान की भूमिका रही है। किंतु अब पति-पत्नी के संबंधों में संवादहीनता, अविश्वास, बाहरी संबंध, और आर्थिक तनाव ने इन बंधनों को कमजोर किया है।परिणामस्वरूप, कभी-कभी यह तनाव अपराध के रूप में सामने आता है।

हाल की घटनाएँ और उनका विश्लेषण : पिछले कुछ वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों से ऐसी खबरें आई हैं जहाँ पत्नी ने प्रेम संबंधों, संपत्ति विवाद या मानसिक प्रताड़ना के चलते पति की हत्या कर दी। इंदौर, दिल्ली, मेरठ, गाजियाबाद, कानपुर, मुंबई जैसी जगहों से आई घटनाएँ बेहद क्रूरता की मिसाल हैं — शरीर के टुकड़े करना, एसिड डालना, कत्ल करवा के खाई में फेंक देना, जलाना — ये सब सामान्य होते जा रहे हैं।

महिलाओं में बढ़ता अपराधबोध या अपराधाभिमान ?: जहाँ एक ओर यह तर्क दिया जाता है कि कई महिलाएँ वर्षों से घरेलू हिंसा और मानसिक उत्पीड़न सह रही थीं, वहीं दूसरी ओर यह भी स्पष्ट है कि अब कुछ महिलाएँ खुद को पीड़िता से अपराधी के रूप में बदल रही हैं। सोशल मीडिया, वेब सीरीज़ और अपराध आधारित सीरियल्स ने भी अप्रत्यक्ष रूप से कई बार हिंसा को ग्लैमराइज़ किया है। हाल ही की कुछ घटनाएँ बेहद विचलित करने वाली हैं।

इन घटनाओं में यह बात समान रूप से देखी गई कि महिलाएँ केवल हत्या की योजनाकार नहीं थीं, बल्कि क्रियान्वयन में भी पूरी तरह शामिल थीं। इससे यह स्पष्ट होता है कि समाज में अब महिलाएँ भी शातिर अपराधों की दिशा में तेजी से बढ़ रही हैं।

इसके पीछे के संभावित कारण-

वैवाहिक असंतोष और संवादहीनता: अक्सर पति-पत्नी के बीच खुलकर संवाद नहीं हो पाता, जिससे छोटी-छोटी गलतफहमियाँ समय के साथ विष बन जाती हैं।

विवाहेतर संबंध : सोशल मीडिया और मोबाइल की गोपनीयता ने विवाहेतर संबंधों को बढ़ावा दिया है। जब ऐसे संबंधों का भांडा फूटता है, तो हत्या जैसे घातक निर्णय लिए जाते हैं।

मानसिक तनाव और असहिष्णुता : आजकल सहनशीलता की सीमा बहुत सीमित हो गई है। पति के थोड़े से दबाव, टोकने या शक करने पर महिलाएँ उत्तेजित होकर हिंसा तक पहुँच रही हैं।

आर्थिक स्वतंत्रता का दुरुपयोग : कुछ महिलाएँ आर्थिक रूप से सशक्त होकर 'मैं क्यों सहूँ' के नाम पर स्वयं को अपराध की ओर ले जाती हैं, जबकि संघर्ष का एक नैतिक मार्ग भी हो सकता है।

मीडिया और वेब सीरीज़ की भूमिका : वर्तमान डिजिटल युग में अपराध आधारित वेब सीरीज़, थ्रिलर फिल्में और न्यूज चैनलों की सनसनीखेज प्रस्तुतियाँ कहीं-न-कहीं हिंसक मानसिकता को प्रेरित कर रही हैं। कई सीरीज़ में दिखाया जाता है कि कैसे एक महिला बदले की भावना से या प्रेम के वशीभूत होकर हत्या करती है और वह 'साहसी' कहलाती है।

कानून की दुविधा: लिंग-विशेष झुकाव : भारत में महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाए गए कई कानूनों का दुरुपयोग अब एक गंभीर विषय बन चुका है। कई महिलाएँ इनका प्रयोग पुरुषों को फँसाने और मानसिक दबाव देने के लिए करती हैं।

लेकिन जब महिलाएँ ही हत्या जैसा जघन्य अपराध करने लगें, तब कानून भी असमंजस में पड़ जाता है कहाँ सख्ती और कहाँ सहानुभूति ?

सामाजिक विघटन का संकेत : इन घटनाओं के बढ़ते आँकड़े इस बात की ओर संकेत करते हैं कि हमारा पारिवारिक ढाँचा दरक रहा है। जब पति-पत्नी एक-दूसरे के 'सहयोगी' से 'संभावित अपराधी' बनने लगें,जब एक स्त्री 'अर्धांगिनी' की भूमिका छोड़ 'हत्यारिन' बन जाए, तो यह समाज के लिए चेतावनी है, दुर्घटना नहीं।

शिक्षित समाज में संस्कारहीनता क्यों ? आज शिक्षा की डिग्रियाँ दी जा रही हैं, लेकिन जीवन मूल्यों का पाठ कोई नहीं पढ़ा रहा। बच्चे तकनीक में दक्ष हो रहे हैं, लेकिन रिश्तों को निभाने की कला से कोसों दूर। ऐसा नहीं कि सिर्फ लड़कियाँ ही दोषी हैं या सिर्फ लड़के ही मासूम — बल्कि पूरा सामाजिक ताना-बाना ही बिगड़ चुका है। बिना संस्कार के शिक्षा वैसी ही है जैसे धारदार हथियार किसी असंयमी के हाथ में — जो दूसरों को ही नहीं, स्वयं को भी नुकसान पहुँचा सकता है।

सवाल हमारे समाज से- क्या हमने बच्चों को जो चाहो करो वाली पूर्ण स्वतंत्रता देकर उनके निर्णयों को अपूर्ण बना दिया है? क्या हमने परिवार की परंपराओं, जिम्मेदारियों और सामाजिक अनुशासन को त्याग कर केवल व्यक्तिगत इच्छाओं को सर्वोपरि मान लिया है?क्या हमने आधुनिक सोच के नाम पर संस्कारों की जड़ों को ही काट दिया है?

समाधान की दिशा में सुझाव : विवाह पूर्व काउंसलिंग अनिवार्य हो। विवाह केवल सांस्कृतिक रस्म न रहकर समझदारी और परिपक्वता का निर्णय होना चाहिए। रिश्तों में संवाद को पुनर्जीवित करें । कठिन समय में संवाद ही समाधान है। भावनात्मक शिक्षा और सहिष्णुता का पाठ स्कूल और कॉलेज में नैतिक शिक्षा और मानसिक स्वास्थ्य को पाठ्यक्रम में शामिल करना अत्यंत आवश्यक है।

कानून में संतुलन : ऐसे कानून हों जो पुरुषों के प्रति हो रहे अत्याचारों पर भी संवेदनशील दृष्टिकोण रखें।

सोशल मीडिया और मनोरंजन में आत्मनियंत्रण : सरकार और समाज को मिलकर 'हिंसा को ग्लैमराइज़' करने वाले कंटेंट पर लगाम लगानी चाहिए।

उपसंहार : स्त्री शक्ति का अर्थ यह नहीं कि वह दंड और प्रतिशोध की मूर्ति बन जाए। शक्ति का अर्थ है धैर्य, सहनशीलता और न्याय का पालन करना।

समाज को यह सोचने की ज़रूरत है कि क्या हमने सशक्तिकरण की परिभाषा को गलत दिशा में मोड़ दिया है? पति की हत्या केवल एक व्यक्ति की मृत्यु नहीं, बल्कि समाज की चेतना की हत्या है। ऐसे अपराधों की पुनरावृत्ति तब तक नहीं रुकेगी, जब तक हम मूल कारणों पर ध्यान नहीं देंगे और रिश्तों को पुन: प्रेम, विश्वास और करुणा की धरती पर नहीं टिकाएंगे।

रिश्तों में जब संवाद समाप्त होता है, तो संदेह जन्म लेता है और संदेह से घृणा। आज की कुछ पत्नी जब साथी नहीं बल्कि साजिशकर्ता बन जाए, तो समाज के लिए यह चेतावनी है। यह लेख किसी लिंग को दोष देने के लिए नहीं, बल्कि बदलते रिश्तों में आ रही कटुता को उजागर करने और समाज को पुन: विचार की ओर प्रेरित करने का एक प्रयास है।

आलेख

मोदी का 11वां साल:भारत के बदलाव में एक बड़ी उपलब्धि

हरदीप एस पुरी

लोकतंत्रों से अपेक्षा की जाती है कि वे वंचितों और अल्पवंचितों तक सेवाओं और सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करने में उच्च मानकों पर खरे उतरें। भारत में यह कसौटी और भी कठोर है। कोई भी नारा बिना उद्देश्य के और कोई भी दावा बिना परिणाम के नहीं टिकता। वास्तविक बदलाव का फायदा समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए, क्योंकि हमारे लोकतंत्र में, अंत्योदय (समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान) के लिए वोट किया जाता है। यही कारण है कि मोदी 3.0 के एक वर्ष में, दिल्ली, महाराष्ट्र और हरियाणा में मिले शानदार जनादेश केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं हैं, बल्कि वे इस बात की पुष्टि करते हैं कि आज के भारत में, बयानबाजी नहीं, बल्कि काम करके भरोसा जीता जाता है। अंत्योदय के माध्यम से सर्वोदय के दर्शन पर आधारित कार्यक्रम यह सुनिश्चित करते हैं कि देश के विकास में कोई भी भारतीय पीछे न छूट जाए। 25 करोड़ से अधिक लोगों को कई तरह की गरीबी से बाहर निकाला गया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) के माध्यम से 11 करोड़ से अधिक किसानों को ?3.68 लाख करोड़ से अधिक वितरित किए गए हैं। %लखपति दीदी% पहल ने एक करोड़ से अधिक ग्रामीण महिलाओं को सालाना ?1 लाख से अधिक आय प्राप्त करने का अधिकार दिया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लगभग 3 करोड़ घरों को मंजूरी दी गई है। जल जीवन मिशन के तहत, 15.44 करोड़ से अधिक ग्रामीण घरों में नल के पानी के कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी नागरिकों को प्रति वर्ष 5 लाख रुपये का नि:शुल्क स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करने के लिए, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) का विस्तार किया गया है, चाहे उनकी आय कुछ भी हो। इससे लगभग 6 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को लाभ होने की उम्मीद है, जिससे उन्हें व्यापक स्वास्थ्य सेवा और वित्तीय सुरक्षा मिलेगी। इसके अलावा, इस योजना का विस्तार करके अग्रिम पंक्ति के सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को भी इसमें शामिल किया गया। ये चौंका देने वाले आंकड़े केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि लाखों भारतीय घरों में बदलाव की कहानियां हैं। आतंकवादियों के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस नीति से संबंधित प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता पहलगाम हमले के बाद त्वरित प्रतिक्रिया में स्पष्ट थी, जहां आतंकवादियों ने निर्दोष पर्यटकों को निशाना बनाया था। देश ने नुकसान पर शोक व्यक्त किया, लेकिन एकजुट होकर ऑपरेशन सिंदूर को सटीकता और दबदबे के साथ अंजाम दिया, जिससे उसके आतंकवाद से लड़ने और अपने नागरिकों की रक्षा करने के संकल्प की पुष्टि हुई। दुनिया ने प्रधानमंत्री मोदी के मजबूत और निर्णायक नेतृत्व द्वारा समर्थित भारतीय रक्षा बलों की तकनीकी और रणनीतिक श्रेष्ठता देखी है। दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति आत्मनिर्भरता के लिए रणनीतिक निवेश से मेल खाती है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की व्यापक सटीकता, आंशिक रूप से कई वर्षों तक स्वदेशी रक्षा क्षमता पर लगातार ध्यान केंद्रित करने के कारण सक्षम हुई। 2014 के बाद, भारत के रक्षा विनिर्माण का तेजी से आधुनिकीकरण हुआ है, निर्यात में भारी बढ़ोतरी हुई है। यह परिवर्तन अचानक नहीं हुआ है। आत्मनिर्भर भारत मिशन के तहत, रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (डीएपी), रक्षा उत्पादन और निर्यात प्रोत्साहन नीति (डीपीईपीपी) जैसे प्रमुख सुधार और कुछ क्षेत्रों के लिए 100त्न एफडीआई खोलने से घरेलू कंपनियों को फलने-फूलने में मदद मिली है। ड्रोन और उसके कलपुर्जों के लिए दो विशेष पीएलआई योजनाओं की शुरुआत से अगली पीढ़ी के नवाचार को और भी बढ़ावा मिला है। आज, भारत द्वारा डिजाइन की गई मिसाइल प्रणाली, बख्तरबंद वाहन और नौसैनिक प्लेटफॉर्म न केवल हमारी सेनाओं में तैनात हैं, बल्कि 80 से अधिक देशों को निर्यात किए गए हैं। इससे ऐसे समय में क्षेत्रीय सुरक्षा प्रदाता के रूप में भारत की छवि मजबूत हुई है, जब विश्वसनीय रक्षा भागीदारों पर वैश्विक भरोसा बहुत अधिक है। विनिर्माण इसी नजरिये के केंद्र में है। भारत बड़े निवेश और सरकारी प्रोत्साहनों के कारण सेमीकंडक्टर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स असम में ?27,000 करोड़ के निवेश से सेमीकंडक्टर असेंबली और परीक्षण संयंत्र बना रहा है, जिसके 2025 के मध्य तक परिचालन में आने और लगभग 27,000 नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है।

अटल पेंशन योजना-सभी को आर्थिक सुरक्षा एवं सम्मान

चित्रा जयसिम्हा

वृद्धावस्था किसी भी व्यक्ति के जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण होता है और दुनिया भर की सरकारें अपने लोगों के लिए जीवन के इस चरण को अधिक स्थिर, सम्मानजनक, तनाव मुक्त और आर्थिक रूप से सुरक्षित बनाने का प्रयास कर रही हैं। जनसंख्या के अनुमानों से संबंधित तकनीकी समूह की रिपोर्ट (जुलाई 2020) के अनुसार, भारत में बुजुर्गों की आबादी 2031 तक 19 करोड़ से अधिक हो जाने की उम्मीद है। यह आबादी उस समय की भारत की कुल जनसंख्या का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा होगी। वरिष्ठ नागरिकों की जनसंख्या में यह नाटकीय प्रत्याशित वृद्धि इन वृद्धों की सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा पर ध्यान देने की तात्कालिक आवश्यकता को रेखांकित करती है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार द्वारा 9 मई 2015 को अटल पेंशन योजना (एपीवाई) की शुरुआत की गई और भारत के असंगठित क्षेत्र पर ध्यान केन्द्रित करते हुए एक सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा प्रणाली का निर्माण किया गया। यह योजना असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के बीच बुढ़ापे की उम्र में पेश आने वाले जोखिमों को दूर करने में मदद करती है और श्रमिकों को स्वैच्छिक रूप से अपनी सेवानिवृत्ति के लिए बचत करने हेतु प्रेरित करती है। एपीवाई एक ऐसी स्वैच्छिक व आवधिक अंशदान-आधारित पेंशन प्रणाली है, जिसके तहत ग्राहक को उनके द्वारा किए गए अंशदान के आधार पर हर महीने 1000 रुपये, 2000 रुपये, 3000 रुपये, 4000 रुपये या 5000 रुपये की न्यूनतम गारंटीकृत पेंशन मिलेगी। इस पहल का महत्व तब और भी बढ़ जाता है जब हम यह देखते हैं कि कुल रोजगार में अनौपचारिक क्षेत्र के कामगारों की हिस्सेदारी लगभग 85 प्रतिशत है। इस क्षेत्र में काम करने वाले या काम कर चुके बुजुर्गों की अधिकांश आबादी की रहन-सहन की स्थितियां गंभीर नीतिगत चिंता का विषय हैं। वर्ष 2031 तक बुजुर्गों की आबादी 20 प्रतिशत होने की उम्मीद है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि उस समय तक एक औसत भारतीय की जीवन प्रत्याशा 75 वर्ष की होगी, अटल पेंशन योजना निश्चित रूप से बुजुर्गों के लिए एक आकर्षक विकल्प है। कई विशेषज्ञों ने इस पेंशन योजना को सही ही राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) का एक विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया मॉडल बताया है, जो एनपीएस को समाज के आर्थिक रूप से वंचित वर्गों के लिए सुलभ बनाता है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि एपीवाई का जन्म एक ही उद्देश्य - वंचितों को पेंशन क्षेत्र के दायरे में लाने ङ्क के लिए हुआ था। कुछ पुरानी योजनाओं में, पेंशन की राशि गरीब बुजुर्गों के लिए बहुत ही कम है। इसी तरह, तुलनीय योजनाओं के लिए, कवरेज से संबंधित सीमाएं एक बड़ी बाधा हैं। उदाहरण के लिए, ईपीएस केवल उन्हीं संगठनों पर लागू होता है जो कम से कम 20 व्यक्तियों को रोजगार देते हैं और अधिकांश रूप से संगठित क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करते हैं। इस आलोक में, एपीवाई न केवल आर्थिक रूप से कमजोर आबादी के एक बड़े हिस्से को अपने दायरे में लाता है, बल्कि यह 2047 तक 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने की दिशा में एनपीएस व मनरेगा जैसी भारत सरकार की अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और इसी तरह की अन्य योजनाओं का पूरक भी है। नारी शक्ति के दृष्टिकोण को मजबूत करने के उद्देश्य से लैस इस योजना में महिलाओं की भारी भागीदारी देखी गई है। 31 मार्च, 2025 तक इस योजना के कुल ग्राहकों में महिलाओं की हिस्सेदारी 48 प्रतिशत से अधिक है। अनौपचारिक क्षेत्र पर जोर देने के साथ, एपीवाई स्वाभाविक रूप से उन प्रमुख समूहों को लाभ पहुंचाता है, जिन्हें अक्सर चार प्रमुख जातियों के रूप में निरुपित किया जाता है। इनमें गरीब और महिलाएं शामिल हैं। इसके अलावा, वृद्धावस्था पेंशन का संबंध केवल पैसे से ही नहीं है। इसका एक गहरा महत्व है। गरीबों और महिलाओं को इसके जरिए जो मानसिक शांति और सम्मान मिलता है, वह बेहद संतोषजनक है। 31 मार्च 2025 तक, एपीवाई के तहत ग्राहकों की कुल संख्या 7.6 करोड़ है और प्रबंधन के तहत परिसंपत्ति (एयूएम) 44,781 करोड़ रुपये की है। वित्तीय वर्ष 2024-2025 के दौरान, इसमें 1.17 करोड़ ग्राहक और 8250 करोड़ रुपये का एयूएम जुड़ गया है, जिससे इसके ग्राहक आधार में 15.4 प्रतिशत और एयूएम के विकास में 22.5 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है। एपीवाई के तहत कुल सकल नामांकन के मामले में शीर्ष पांच राज्य उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु हैं। इसलिए, एपीवाई का लक्ष्य भारत के क्षेत्रीय रूप से वंचित लोगों के वित्तीय समावेशन को कार्यान्वित करना है ताकि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के प्रमुख नीतिगत लक्ष्य को हासिल किया जा सके। वर्ष 2035 एक ऐतिहासिक वर्ष होगा। यह वह वर्ष होगा जब बहुप्रतीक्षित अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के ग्राहकों को मासिक पेंशन की पहली किश्त मिलनी शुरू हो जाएगी। अटल पेंशन योजना के जरिए, असंगठित क्षेत्र में कार्यरत मुख्य रूप से स्व-नियोजित, अनियमित (कैजुअल), गिग, प्लेटफ़ॉर्म श्रमिकों के लिए पेंशन कवरेज सुनिश्चित की जाती है। हालांकि भविष्य में जीवन प्रत्याशा और मुद्रास्फीति-सूचकांक में होने वाली वृद्धि को देखते हुए, दीर्घकालिक अवधि में वृद्धावस्था में आय संबंधी सुरक्षा प्रदान करने की दृष्टि से मौजूदा व्यवस्थाओं की पर्याप्तता एक चुनौती होगी। हालांकि, कुल मिलाकर अटल पेंशन योजना आम जनता के लाभ के लिए वित्तीय एवं सामाजिक, दोनों ही मानदंडों पर एक सुविचारित योजना है। एपीवाई बुजुर्गों के लिए उनके बुढ़ापे में एक बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में बेहद अहम साबित होगी। भारत की बढ़ती सामाजिक सुरक्षा समावेशी कल्याण एवं आर्थिक सुरक्षा के प्रति इसकी मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह एक ऐसा उभरता हुआ परिदृश्य है, जिसमें दायरे का विस्तार करने, मौजूदा योजनाओं को मजबूत करने और विविध कार्यबल की चुनौतियों का समाधान करने पर ध्यान केन्द्रित किया गया है।

आधुनिकता की दौड़ में पर्यावरण के उभरते खतरे

प्रो. मनोज डोगरा

राजस्थान में बिश्नोई पंथ के लोगों का बहुत बड़ा योगदान रहा है जिनमें सैकड़ों लोगों ने अपनी जान देकर पेड़ों की रक्षा की थी। चिपको आंदोलन भी पर्यावरण का हिस्सा है जहां महिलाएं पेड़ों से चिपक गई थीं सुरक्षित पर्यावरण ही सुरक्षित मनुष्य जीवन का आधार है। हमारी धरती, जनजीवन को सुरक्षित रखने के लिए पर्यावरण का सुरक्षित रहना बहुत जरूरी है। विश्व के देश आधुनिकता की ओर बढ़ रहे हैं, लेकिन इस राह में दिनोंदिन दुनियाभर में ऐसी चीजों का इस्तेमाल बढ़ गया है और इस तरह से लोग जीवन जी रहे हैं, जिससे पर्यावरण खतरे में है। इनसान और पर्यावरण के बीच गहरा संबंध है। प्रकृति के बिना जीवन संभव नहीं। ऐसे में प्रकृति के साथ इनसानों को तालमेल बिठाना होता है। लेकिन लगातार वातावरण दूषित हो रहा है जिससे कई तरह की समस्याएं बढ़ रही हैं, जो हमारे जनजीवन को तो प्रभावित कर ही रही हैं, साथ ही कई तरह की प्राकृतिक आपदाओं की भी वजह बन रही हैं। पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक की बात करें तो भारत को वैश्विक प्रकृति संरक्षण सूचकांक 2024 में 176वां स्थान प्राप्त हुआ है, यह भारत को 180 देशों में से सबसे कम रैंक वाले पांच देशों में से एक बनाता है, जोकि चिंताजनक है। वायु और जल प्रदूषण की दृष्टि से भारत के कई शहर दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल हैं, इस बात से कोई अनजान नहीं है। भारत कार्बन डाइऑक्साइड का एक बड़ा उत्सर्जक है, हालांकि प्रति व्यक्ति उत्सर्जन विकसित देशों की तुलना में कम है। पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से अधिनियम द्वारा इस कार्य को सांकेतिक किया गया है। भारत में पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 लागू है जो पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को कानून के रूप में लागू करता है। भारत में पर्यावरण संरक्षण एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। एक ओर, पर्यावरण संरक्षण के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन दूसरी ओर पर्यावरण पर दबाव भी बढ़ रहा है। भारत को पर्यावरण संरक्षण के लिए अपने प्रयासों को मजबूत करने और प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और अन्य पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के लिए प्रभावी उपाय करने की आवश्यकता है क्योंकि सुखी स्वस्थ जीवन के लिए पर्यावरण का संरक्षण जरूरी है। इसी उद्देश्य से हर साल विश्व पर्यावरण दिवस भी मनाया जाता है। इस दिन लोगों को पर्यावरण के प्रति सचेत किया जाता है और पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। विश्व पर्यावरण

दिवस हर साल जून महीने में मनाया जाता है। दुनियाभर के तमाम देश 5 जून को पर्यावरण दिवस मनाते हैं। इस साल भी पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए भारत समेत कई देशों में 5 जून को पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा है। पहली बार पर्यावरण दिवस की शुरुआत 1972 में हुई थी। इस दिन की नींव संयुक्त राष्ट्र संघ ने 5 जून 1972 को रखी थी। इसी के बाद से हर साल लगातार 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाने लगा। भले ही संयुक्त राष्ट्र संघ ने विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का फैसला किया हो, लेकिन पर्यावरण दिवस को सबसे पहले स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में मनाया गया। 1972 में स्टॉकहोम में पहली बार पर्यावरण सम्मेलन आयोजित किया गया था, जिसमें 119 देशों ने हिस्सा लिया था। हम सब देशवासियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक होना चाहिए और इस दिन प्रत्येक व्यक्ति एक पौधा अपने नाम अवश्य लगाए ताकि पर्यावरण को बचाया जा सके। आज देश भर में युवा पीढ़ी अपना जन्मदिन और मैरिज एनिवर्सरी होटल और रेस्टोरेंट में मानते हैं। इस इस दिन सभी नागरिकों का दायित्व बनता है कि इस आधुनिकता की दौड़ को छोडक़र अपने गांव में शिक्षा संस्थानों में या कार्यालयों में पौधा अवश्य लगाएं ताकि वह पर्यावरण को स्वच्छ और साफ-सुथरा रखने के लिए अनिवार्य हो और आपकी यादगार भी बनी रहे। दुनिया में लगातार प्रदूषण बढ़ रहा है। इसी बढ़ते प्रदूषण के कारण प्रकृति पर खतरा बढ़ रहा है जिसे रोकने के उद्देश्य से पर्यावरण दिवस मनाने की शुरुआत हुई, ताकि लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जाए और प्रकृति को प्रदूषित होने से बचाने के लिए प्रेरित किया जा सके। भारत भी पर्यावरण संरक्षण को लेकर गंभीर है। इसी कारण पर्यावरण संरक्षण के लिए भारत ने कानून बनाया है। 19 नवंबर 1986 में पर्यावरण संरक्षण अधिनियम लागू किया गया था। जब पहली बार विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा था तो भारत में भी पर्यावरण दिवस मनाया गया। उस समय देश की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी थीं जिन्होंने पर्यावरण संरक्षण पर आयोजित कार्यक्रम में प्रकृति के प्रति अपनी चिंताओं को जाहिर किया था। पर्यावरण समाज का एक हिस्सा है। इसको साफ-सुथरा रखना हम सब नागरिकों का कर्त्तव्य है, लेकिन मनुष्य अपने निजी स्वार्थ हेतु पर्यावरण को लंबे समय से प्रदूषित करता रहा है तथा प्राकृतिक संसाधनों का दोहन कर रहा है। मनुष्य के इन कृत्यों के कारण प्रकृति विनाश की तरफबढ़ रही है और मनुष्य को पर्यावरण संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। जंगलों में आग लगना या आग लगाने से पर्यावरण जहां दूषित हो रहा है वहीं जीव जंतु और वन्य प्राणी विलुप्त हो रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

अनिल कुमार जैन को अध्यक्ष एवं जय कुमार जैन को कोषाध्यक्ष का कार्यभार पुनः सौंपा गया

डोंगरगढ़ (विश्व परिवार)। श्री दिगम्बर जैन समाज डोंगरगढ़ में गत दिनों हुई सामाजिक बैठक में समिति का कार्य काल समाप्त होने पर

समिति द्वारा पिछले 3 वर्षों का आय-व्यय का ब्योरा सभी के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिसे सर्व सम्मति से स्वीकृत किया गया 7 समिति द्वारा अपने कार्य काल में काफी उत्साहपूर्वक सभी कार्य को कर्मठता के साथ सकुशल संपन्न कराया जिसकी सम्पूर्ण समाज भूरी-भूरी प्रशंसा करती है और उनके इसी उत्साह और कार्य प्रणाली को देखते हुए उपस्थित परम संरक्षक सेठ सिंघई किशोर जैन, निर्मल जैन, अनिल कुमार जैन 'भल्लू भैया' एवं संरक्षक राजेन्द्र जैन, सुभाष चन्द जैन, वीरेन्द्र जैन, प्रदीप जैन (उपाध्यक्ष) एवं समाज के वरिष्ट एवं युवा गणमान्य ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया कि इस बार भी अध्यक्ष पद पर अनिल कुमार जैन एवं कोषाध्यक्ष पद पर जय कुमार जैन को पुन: कार्यभार सौपा गया जिसके लिये उपस्थित सभी सामाजिक जन ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनायें दी।

स्व. राजेश पायलट की पुण्यतिथि पर राजस्थान पहुंचे देवेंद्र यादव

भिलाई (विश्व परिवार)। आज दौसा, राजस्थान में भारत के पूर्व केंद्रीय मंत्री और जननेता स्व. राजेश पायलट जी की 25वीं पुण्यतिथि के अवसर पर एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह दिन प्रेरणा दिवस के रूप में मनाया गया। जिसमें भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव भी शामिल हुए। सभी ने भाग लेकर स्व. राजेश पायलट जी की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री उदयभान छिब्ब, विधायक श्री मनीष यादव सहित कई गणमान्य अतिथि, सामाजिक कार्यकर्ता और पार्टी के वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। सभी ने स्व. राजेश पायलट जी के सामाजिक, राजनैतिक और जनकल्याण के क्षेत्र में किए गए अतुलनीय योगदान को याद किया और उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि स्व. पायलट जी ने सदैव ग्रामीण भारत, किसानों और युवाओं की आवाज़ को बुलंद किया। उनका जीवन हम सभी के लिए एक प्रेरणा है।

सुशासन की रोशनी से जगमगाया मुदवेंडी गांव

रायपुर (विश्व परिवार)। वर्षों तक माओवाद की पीड़ा में सिसकते रहे बीजापुर जिले का छोटा सा गांव मुदवेंडी अब बदलाव की मिसाल बन गया है। जिला मुख्यालय से करीब 35-40 किलोमीटर दूर स्थित यह गांव अब न केवल शुद्ध पेयजल और पक्की सड़क से जुड़ चुका है, बल्कि अब यहां बिजली की रोशनी ने भी दस्तक दे दी है। यह सब संभव हुआ है मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की दूरदृष्टि और नियद नेल्लानार योजना की बदौलत। इस गांव में केवल 45 परिवार रहते हैं, पर इनके जीवन में हाल के दिनों में जो परिवर्तन आया है, वह अभूतपूर्व है। पहले जहां शाम होते ही अंधेरा छा जाता था और रात में एक कदम चलना भी जोखिम भरा होता था, वहीं अब बिजली आने से न केवल घरों में उजाला हुआ है, बल्कि ग्रामीणों के दिलों में भी उम्मीद की लौ जल उठी है। लंबे समय तक माओवादी हिंसा की वजह से विकास की मुख्यधारा से कटे रहे इस गांव में अब सड़क, बिजली, पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुंचने लगी हैं। यह बदलाव केवल सुविधाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर सामाजिक और शैक्षणिक जीवन पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। गांव के निवासी श्री हुंरा कुंजाम बताते हैं, हमारे गांव में वर्षों बाद बिजली पहुंची है।

'सामायिक' केवल एक धार्मिक क्रिया नहीं, बल्कि चित्त की स्थिरता, विचारों की शुद्धता और आत्मा की निकटता का अभ्यास है

मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज ने भावनायोग के अंतिम चरण 'सामायिक' पर उद्गार प्रकट किए

भोपाल (विश्व परिवार)। सामायिक केवल एक धार्मिक क्रिया नहीं, बल्कि चित्त की स्थिरता, विचारों की शुद्धता और आत्मा की निकटता का अभ्यास है। उपरोक्त उद्गार मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज ने भावनायोग के अंतिम चरण सामायिक पर प्रकट किये।

मुनि श्री ने कहा कि सामायिक करने से हमारे मस्तिष्क का प्री फ्रंटल कॉर्टेक्स सक्रिय होता है, जिससे एमिगडेला नियंत्रित होता है, और शरीर में डोपामिन, ऑक्सीटॉक्सिन, सेरोटोनिन जैसे हार्मोन सक्रिय होते हैं, यह केवल ध्यान ही नहीं, यह न्यूरो-कैमिस्ट्री का शुद्धिकरण है।इस अवसर पर मुनि श्री ने 21 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम की भी घोषणा की, जिसमें देशभर से लोग भाग लें सकें और भावना योग के व्यवहारिक पक्ष को उतार सकें। उन्होंने कहा कि भावना योग पर आधारित तीन पुस्तकें पाठकों के लिए जल्द ही उपलब्ध होंगी प्रथम- आत्मसाक्षात्कार का मार्ग आत्मरूपांतरण का विज्ञान तथा तृतीय है भावना योग संपूर्ण शोध ग्रंथ जिसमें24 अध्यायों के माध्यम से विस्तृत व्याख्या की गई है, मुनि श्री ने कहा कि इन पुस्तकों के माध्यम से सभी साधक भावना योग के सिद्धांत और अभ्यास को दोनों स्तरों पर समझ सकेंगे।

उन्होंने सभी साधकों तथा युवाओं को आव्हान करते हुये कहा कि भावनायोग को विश्वव्यापी आंदोलन बनाने की आवश्यकता है, जिससे श्रद्धा, ज्ञान और वैज्ञानिक दृष्टि का समन्वय हो सके। प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी ने बताया प्रात:काल मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज के मुखारविंद से 1008 मंत्रों के साथ 55 मिनट की शांतीधारा संपन्न हुई, जिसमें भावनायोग प्रशिक्षण शिविर के सभी शिविरार्थियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर मुनिश्री ने घोषणा की कि 16 जून सोमवार को श्री विद्याप्रमाण गुरुकुलम्, अवधपुरी, भोपाल में भव्य गुरुकुल प्रवेश महोत्सव प्रात: 5:20 से 7 बजे तक आयोजित होगा, भोपाल जैनसमाज के सभी गणमान्यजनों को तथा सभी छात्रों के अभिभावकों को आमंत्रित किया गया है, उन्होंने कहा कि यह बच्चे भविष्य में हमारी समाज के आई कोन बनेंगे उनके उत्साह के लिये समाज को अनिवार्य रुप से उपस्थित रहना चाहिये। इस अवसर पर मुनि श्री ने कहा कि इन मंत्रों के साथ की गयी शांतीधारा का अपना अलग महत्व है, तथा उससे निकले गंधोदक का विशेष प्रभाव पड़ता है इसको शुद्धता के साथ अपने घर/दुकान पर छिड़कने से नकारात्मक शक्तियां दूर हो जाती है। -**अविनाश जैन**

देवेन्द्र नगर में ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा राजयोग अनुभूति शिविर

अपनी खुशी का रिमोट दूसरों के हाथों में न सौंपें : ब्रह्माकुमारी अदिति दीदी

खुश रहने से हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, चिन्ता नहीं चिन्तन करें : कृतिका जैन पार्षद

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा नारायणा हास्पीटल के सामने सुनिता हाईट्स देवेन्द्रनगर में स्थित सेवाकेन्द्र में तनाव मुक्त जीवन विषय पर आयोजित -राजयोग अनुभूति शिविर का शुभारम्भ शहीद हेमू कालाणी वार्ड की पार्षद कृतिका जैन, ब्रह्माकुमारी गंगा दीदी, ब्रह्माकुमारी अदिति दीदी और बग्रह्माकुमारी सुनिता दीदी ने दीप प्रज्वलित करके किया।

ब्रह्माकुमारी अदिति दीदी ने कहा कि खुशी हम आत्माओं का स्वाभाविक गुण है। इसे बाहर ढूँढने की जरूरत नही है। जब हम भौतिक पदार्थों में या किसी बाह्य वस्तुओं में खुशी को ढूँढने लगते है तब हम अपना रिमोट दूसरों के हाथों में सौप देते हैं। अच्छे स्वास्थ्य के लिए जीवन में खुशी का होना बहुत जरूरी है। यह हमें तनाव से भी दूर रखता है।

उन्होंने आगे बतलाया कि तनाव हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को कम कर देता है। कोविड के दौरान हमने देखा कि कैसे रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने के कारण लोग कोविड का शिकार बन रहे थे और अपनी जान गंवा रहे थे। स्वस्थ रहने के लिए अपने मनोबल को बढ़ाने की आवश्यकता है। यदि बहुत गुस्सा आता है, चिड़चिड़ हो रहे हैं, अकेलापन महसूस हो रहा है, मन में किसी प्रकार का डर बना रहता है या आत्महत्या का विचार आता है तो समझ लेना चाहिए कि मनोबल कमजोर है। यह सभी तनाव के लक्षण हैं। मनोबल को मेडिटेशन के द्वारा बढ़ाने की जरूरत है।

इस अवसर पर उपस्थित पार्षद कृतिका जैन ने कहा कि हमें चिन्ता नहीं बल्कि चिन्तन करने की आवश्यकता है। चिन्ता हमें अस्वस्थ करता है। इसलिए चिन्ता को चिता समान माना जाता है।

देवेन्द्र नगर सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी गंगा दीदी ने कहा कि आजकल प्रतिस्पर्धा के युग में जीवन के हर क्षेत्र में अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है जिसके कारण तनावजन्य परिस्थितियाँ भी बढ़ती जा रही हैं। ऐसे वातावरण में शान्ति की गहन अनुभूति करने के लिए राजयोग का अभ्यास सभी के लिए बहुत लाभकारी है। कार्यक्रम का संचालन ब्रह्माकुमारी सुनिता दीदी ने किया।

आदमी को दो डर हमेशा सताते हैं : अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्नसागर जी महाराज

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। आदमी को दो डर हरदम सताते हैं अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एक बीमारी और दूसरा मौत का डर। (11 जून) अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज की उत्तराखण्ड से बद्रीनाथ से हरिद्वार से दिल्ली तरुणसागरम तीर्थ तक अहिंसा संस्कार पदयात्रा चल रही है पिछले 8 जुन को जापानी पार्क में आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज संसघ का भव्य स्वागत किया गया वहां से यह अहिंसा संस्कार पदयात्रा आज भारत गौरव साधना महोदधि सिंहनिष्कड़ित व्रत कर्ता अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज एवं सौम्यमूर्ति उपाध्याय 108 श्री पीयूष सागर जी महाराज ससंघ का सुबह का पदविहार

श्री 1008 महावीर दिगम्बर जैन मंदिर, G3/53, पाकेट 1, सेक्टर 11 F, रोहिणी, दिल्ली से भगवान महावीर दिगम्बर जैन मंदिर, डी-ब्लॉक, प्रशांत विहार, उत्तर पश्चिम दिल्ली दुरी- 5.00 किमी के लिए हो विहार दरम्यान उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने कहा कि डर हमारी अकल और हिम्मत को ऐसे खा जाता है... जैसे अमरबेल वृक्ष को और दीमक किताब को खा जाती है।

आदमी को दो डर हरदम सताते हैं- एक बीमारी और दूसरा मौत का डर। ये डर आदमी को ना जीने दे रहा है, ना मरने। ना खाने का सुख भोग पा रहा है, ना त्याग का संकल्प ले पा रहा है।

एक सज्जन बोले- गुरुदेव, मैं 20 साल से शक्कर नहीं खा रहा हूं। हमने सहज ही पूछ लिया- क्या आपको डायबिटीज है-वो बोले हां गुरूदेव। हमने कहा- नहीं मिली अच्छी नारी तो बन गये बाल ब्रह्मचारी। शक्कर नहीं खाने का त्याग या संकल्प लिया आपने- वे बोले नहीं गुरुदेव। हमने कहा ये तो मजबूरी का नाम सोनिया गांधी है बाबू! सबको मौत का डर है और मरना सबको है। दो बातें मेरी याद रखो एक आत्मा कभी मरती नहीं तो डर किस बात का। दूसरी- परमात्मा हर पल, हर क्षण हमको देख रहा है, अब डर किस बात का भाई मेरे।

ये दो बातें अपने जहन में बैठा लो और फिर जीवन जीने का आनंद उठाओ। अन्यथा ना हम हँस पा रहे हैं, ना खुलकर रो पा रहे हैं। ना जी पा रहे हैं, ना मर रहे हैं। ऐसा आधा अधूरा जीवन जीने से कोई मतलब नहीं। ये तो ऐसा हो गया जैसे- धोबी का गधा, ना घर का ना घाट का।

-**नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल**

आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब जी का जनदर्शन कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न

सैकड़ों क्षेत्रवासियों ने रखी समस्याएं, मौके पर हुआ त्वरित समाधान

आरंग (विश्व परिवार)। आज दिनांक 11 जून 2025 को आरंग विधायक एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त) गुरु खुशवंत साहेब जी के द्वारा प्रत्येक सप्ताह के भांति आरंग विधायक कार्यालय में जनदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जो अत्यंत सफल और जनसरोकार से जुड़ा रहा। इस जनदर्शन में आरंग, मंदिर हसौद, समोदा, चंदखुरी, नया रायपुर सहित अनेक ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों से आए लोगों ने व्यक्तिगत, सामाजिक, प्रशासनिक और जनकल्याण से जुड़ी समस्याएं रखीं। गुरु साहेब जी ने सभी फरियादियों की बातों को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल समाधान हेतु निर्देशित किया। कई मामलों का मौके पर ही निराकरण किया गया, जिससे आमजन को बड़ी राहत मिली।

जनदर्शन के दौरान नल-जल योजना, पेंशन, राशन कार्ड, पट्टा, सड़क, शिक्षा, इलाज, श्रमिक पंजीयन और आवास योजना से जुड़े मुद्दों पर विशेष रूप से चर्चा हुई और उचित कार्यवाही सुनिश्चित की गई, जनदर्शन में सैकड़ों लोगों की भागीदारी रही।

इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, भाजपा पार्टी पदाधिकारी, स्थानीय जनसंपर्क कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे। गुरु खुशवंत साहेब जी ने कहा- जनता ही हमारी शक्ति है, और उनकी समस्याओं का समाधान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता। जनदर्शन हमारी संवाद की रीढ़ है।

आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में श्री जिनसहस्रनाम महार्चना प्रभु पार्श्वनाथ की भक्ति में झूमे भक्त

विज्ञा श्री माताजी ने कहा- भक्ति विवेक पूर्वक करो

भोपाल (विश्व परिवार)। सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ प्रणेत्री श्रमणी गणिनी आर्यिका गुरु मां विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में शंकराचार्य नगर भोपाल में श्री जिन सहस्त्रनाम महार्चना का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें भक्तों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया प्रभु पार्श्वनाथ का अभिषेक के साथ शांति धारा की गई अष्ट द्रव्य से अरघ अर्पित किए, सभी के मध्य प्रथम बार हुई इस भक्ति का भक्तों ने भरपूर आनंद लिया।

माताजी ने सभी को भक्ति का फल बतलाते हुए कहा कि यह भक्ति तात्कालिक फल को देने वाली है। प्रभु की भक्ति यदि श्रद्धा और विश्वास के साथ की जाये तो दुगुना फल प्राप्त होता है। अपने भक्ति रुपी कार्ड में श्रद्धा रुपी पासवर्ड डालेंगे तो पैसा रुपी फल अवश्य मिलेगा। देव शास्त्र गुरु अर्थात मंदिर पाप काटने का साधन है पाप जोड़ने का नहीं। ये ताला खोलने का साधन है ताला लगाने का नहीं। अपने ज्ञान की विवेक की आंखें खोल लो तो आपका ज्ञान रुपी ताला स्वत- खुल जायेंगे। हम धर्म तो करते पर उसमें श्रद्धा नहीं रखते। यदि प्रभु पर श्रद्धा हो तो अग्नि का नीर बन जाता है। नाग का हार और जहर का अमृत बन जाता है। सीता, सोमा, मैना आदि जितनी भी सतियां हुई है सभी ने प्रभु पर श्रद्धा करके उनका ध्यान करके अपने बड़े - बड़े कष्टों को दूर किया इस अवसर पर सुनील अरिहंत सुरेश जैन समरधा रितेश जैन नवकार, नितिन एम आर प्रेम कुमार जैन, राजकुमार जैन पार्वती, जितेंद्र जैन बाहुबली, अरुण जैन मेडिकल, दीपक जैन रोडवेज, प्रमोद जैन कोठरी, प्रवीण जैन, महेश जैन सहित अनेक लोग मौजूद थे। -**अंशुल जैन**

विधायक भावना बोहरा ने पंडरिया नगर में 92 लाख रुपए से अधिक के नवीन वाहनों एवं उपकरणों का किया लोकार्पण

कहा- पंडरिया नगर को स्वच्छ, समृद्ध और विकसित बनाने के लिए संकल्प से सिद्धि की हमारी यात्रा निरंतर जारी है

पंडरिया (विश्व परिवार)। पंडरिया नगर को विकसित, समृद्ध एवं सशक्त बनाने के लिए डबल इंजन भाजपा सरकार में निरंतर विकास कार्यों, अधोसंरचना निर्माण और जनता की सुविधाओं के लिए सतत प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने पंडरिया नगर को स्वच्छ बनाने एवं नगर पालिका परिसद अंतर्गत विभिन्न कार्यों के सुचारू रूप संचालन हेतु 92 लाख 27 हजार रुपए से ख़रीदे गए वाहनों एवं विभिन्न उपकरणों का लोकार्पण कर नगरवासियों को बधाई दी। इस दौरान भावना बोहरा ने नगर को स्वच्छ बनाने के लिए 1 जेसीबी, 2 मिनी टिप्पर, डोर टू डोर कचरा एक्तात्रित करने के लिए 6 ई-रिक्शा, 1 ट्रेक्टर एवं ट्रॉली, 1 लो बेड ट्रेलर एवं 10 व्हील बैरो का लोकार्पण किया। नगर पालिका परिषद पंडरिया में इन नवीन वाहनों और उपकरणों के शामिल होने से अब नगर को स्वच्छ बनाने एवं विभिन्न क्षेत्रों में कचरे का प्रबंधन करने में आसानी होगी।

इस अवसर पर पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि पिछले डेढ़ वर्षों में पंडरिया नगर में हो रहे विकास कार्यों, अधोसंरचना निर्माण और सौन्दर्यीकरण के कार्यों से हमारा पंडरिया एक नया स्वरुप ले रहा है। नगर को स्वच्छ बनाने एवं रोजाना निकालने वाले कचरों का प्रबंधन सुचारू रूप से करने के लिए आज इन सभी वाहनों और उपकरण का लोकार्पण किया गया है जिससे अब पंडरिया नगर को स्वच्छ रखने तथा नगर को कचरा मुक्त बनाने के हमारे संकल्प को बल मिलेगा। प्रमुख नालों, तालाबों की निरंतर सफाई होगी, नगर के अंदरूनी इलाकों में डोर टू डोर कचरा एकत्रित किया जाएगा वहीं सड़कों व प्रमुख चौक चौराहों से भी कचरा साफ़ करने में आसानी होगी। कचरा संग्रहण में आसानी होगी जिससे उसका उचित प्रबंधन भी किया जाएगा जिससे पंडरिया नगर को स्वच्छ, स्वस्थ और समृद्ध बनाने के हमारे लक्ष्य को हम जरुर पूरा करेंगे। हमारे इस प्रयास में नगरवासियों का भी बहुमूल्य सहयोग हमें अपेक्षित है और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के स्वच्छ भारत अभियान में आमजनों की सार्वजानिक भागीदारी से हम पंडरिया नगर को एक नया स्वरुप देंगे।

उन्होंने कहा कि जनता की आकाँक्षाओं के अनुरूप हम विकसित व समृद्ध पंडरिया बनाने के लिए संकल्पों को सिद्धि तक ले जाने पूरी तत्परता से आगे बढ़ रहें हैं। पंडरिया नगर को एक आदर्श नगर बनाने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं, विगत डेढ़ वर्षों में पंडरिया नगर के लिए लगभग 24 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात डबल इंजन भाजपा सरकार के सुशासन में मिली है।

साझा मंच ने 33 जिलों में भ्रष्ट अधिकारियों की दस्तावेज सहित खोली पोल, दोषी अधिकारियों पर कार्यवाही की कर रहे मांग

रायपुर (विश्व परिवार)। युक्तियुक्तकरण को लेकर प्रदेश के विभिन्न शिक्षक संघठनो ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। शिक्षक साझा मंच छत्तीसगढ़ के प्रदेश संचालक- शंकर साहू ने बताया कि शिक्षक साझा मंच छत्तीसगढ़ ने आज राज्य के सभी 33 जिला मुख्यालयों में मुख्यमंत्री के नाम सभी जिला कलेक्टरो को ज्ञापन सौंपकर युक्तियुक्तकरण में हुए व्यापक भ्रष्टाचार, अनियमितता, भाई भतीजाबाद एवं धांधली के आरोपी सभी अधिकारियों को बर्खास्त कर उन पर धोखाधड़ी एवं शिक्षकों को मानसिक रूप से प्रताड़ित किए जाने के आरोपो में एफआईआर दर्ज कर जेल भेजने की मांग की है।शिक्षक साझा मंच के सभी 23 प्रदेश संचालकों ने आज मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, बलरामपुर से लेकर सुकमा तथा राजनांदगांव से लेकर महासमुंद तक सभी जिलों में अधिकारियों द्वारा किए गए भ्रष्टाचार की पूरे प्रमाणित दस्तावेजी साक्ष्य सहित पोल खोल कर रखा।

दुर्ग संभाग के मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले मे प्रदेश संचालक- शंकर साहू ने भ्रष्ट अधिकारियो के खिलाफ सिंह गर्जना करते हुए विसंगतिपूर्ण युक्त युक्तिकरण को तत्काल रद्द करने की मांग की। यहां जिला संचालक के साथ शिक्षक नेता- शंकर साहू ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंप कर युक्तिकरण को तत्काल रद्द कर 2008 का सेटअप लागू करने की मांग की। इसी प्रकार बिलासपुर में प्रदेश संचालक मनीष मिश्रा, संजय शर्मा और भूपेंद्र बनाफर ने मांगों के संदर्भ में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन की इसी जिला कड़ी में राजधानी रायपुर जिला मुख्यालय में प्रदेश संचालक वीरेंद्र दुबे एवं राजनारायण द्विवेदी ने अपने साथी शिक्षकों के साथ कलेक्टर परिसर में नारेबाजी करते हुए संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में साझा मंच के प्रदेश संचालक- शंकर साहू की अगुवाई में जिले के शिक्षकों ने स्थानीय जनपद चौक में एकत्रित होकर सबसे पहले संबंधित सभी पीड़ित शिक्षकों से उनकी समस्याएं सुनी, सभी से आवेदन लिया गया, फिर मुख्यमंत्री के नाम स्थानीय कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया।

प्रदेश के मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग, डीपीआई के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रमुख रूप से प्रांतीय संचालक-शंकर साहू, प्रांतीय सह संचालक- भूपेंद्र कुमार साहू, प्रांतीय सह संचालक- अश्वनी कुमार देशदहरे, जिला उप संचालक, मक्खन साहू, राजेश निषाद, डालसिंह कोमरे, जयश्री साहू, अंजलि लेंझारे आदि प्रमुख रूप से शामिल थे। उपरोक्त जानकारी मीडिया में शंकर साहू प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश शासकीय शिक्षक फेडरेशन ने दिया है।

लोगों को हितग्राहीमूलक बैंकिंग सुविधाओं से करें लाभान्वित : कलेक्टर उइके

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा, जीवन ज्योति एवं अटल पेंशन योजना से लाभान्वित करने लोगों को करें जागरूक

गरियाबंद (विश्व परिवार)। कलेक्टर बी.एस. उईके की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय समीक्षा समिति एवं जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की 46वीं बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर उइके ने जिले में बैंकिंग गतिविधियों से संबंधित योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को हितग्राहीमूलक बैंकिंग ऋण सुविधाओं से लाभान्वित करने के निर्देश सभी बैंकिंग अधिकारियों को दिये। कलेक्टर ने बैठक में जिले के सभी शाखा प्रबंधकों को निर्देशित करते हुए कहा कि शासकीय विभागों द्वारा प्रकरण प्रेषित किए जाते हैं उन्हें प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृत करें। कृषि, उद्यानिकी, मछलीपालन एवं पशुपालन विभाग द्वारा भेजे गए केसीसी के प्रकरणों को प्राथमिकता से निराकृत करे। कलेक्टर ने हितग्राहीमूलक आवेदनों को शाखा लेवल में लंबित नहीं रखने के निर्देश दिये। कलेक्टर द्वारा जिन बैंक शाखा का ऋण अनुपात कम है उन्हें ऋण अनुपात निर्धारित समय सीमा में पूरा करने को कहा गया। साथ ही प्राथमिकता क्षेत्र, कृषि क्षेत्र, एमएसएमई ऋण वार्षिक लक्ष्य पूरा करने को कहा गया। कलेक्टर उइके ने जनकल्याणकारी योजनाओं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना से अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित करने बैंक शाखा स्तर ग्राम पंचायत में शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक पंजीयन करने के निर्देश दिये। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ जी.आर. मरकाम, अग्रणी बैंक प्रबंधक मोहम्मद मोफिज, महाप्रबंधक जिला व्यापार उद्योग डीबी ध्रुव, एनआरएलएम प्रतिनिधि, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, खादी ग्रामोद्योग, आदिवासी स्वरोजगार एवं अंत्योदय स्वरोजगार विभाग के अधिकारी एवं विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर उईके ने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं जीवन ज्योति योजना के दो हितग्राहियों को बीमा क्लेम राशि अंतर्गत हितग्राहियों को 2-2 लाख रूपये का चेक राशि भेट किया। इनमें ग्राम चिखली निवासी स्व. मती गोनी बाई कमार ने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत 20 रूपये के बीमा राशि में पंजीयन कराया था। उनकी मृत्यु के पश्चात उनके नामिनी पुत्र मनीष कुमार को दो लाख रूपये का चेक प्रदान किया। इसी प्रकार ग्राम बरबाहरा निवासी मती दौपदी को उनके पति के मृत्यु पश्चात प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना अंतर्गत 2 लाख रूपये का चेक राशि प्रदान किया गया। कलेक्टर ने उपरोक्त बीमा योजनाओं की पहुंच सभी लोगों तक सुनिश्चित करने के लिए लोगों को वृहद स्तर पर पंजीयन के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिये। इन योजनाओं के तहत पंजीकृत हितग्राहियों की दुर्घटना एवं मृत्यु होने पर उनके परिजनों को शासन के तरफ से सहायता राशि प्रदान की जाती है, जिससे उनके परिवार को दुख की घड़ी में मदद मिलती है। कलेक्टर उइके ने बैठक में प्रधानमंत्री जनधन योजना अंतर्गत खोले गये बैंक खातों में आधार सीडिंग तथा रूपे कार्ड वितरण के प्रगति की समीक्षा की। साथ ही प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना की प्रगति, अंत्यावसायी स्वरोजगार योजना, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, पीएम स्वनिधि योजना की जिले में प्रगति की समीक्षा कर हितग्राहियों को लाभान्वित करने के आवश्यक निर्देश दिये।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आम नागरिकों की समस्याएं

जनदर्शन में मिले 76 आवेदन

गरियाबंद (विश्व परिवार)। कलेक्टर बी एस उइके ने जनदर्शन में जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से आये लोगों की मांग, समस्याएं एवं शिकायतें सुनी। कलेक्टर उइके ने आज जनदर्शन में 76 लोगों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना और संबंधित अधिकारियों को आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में ग्राम अतरमरा के जगतराम साहू ने काबिज जमीन से ऋण दिलाने, राजिम के पुनू राम निषाद ने सीमांकन हेतु नक्षा प्रदाय करने, ग्राम बिन्द्रानवागढ़ के दीपक राम यादव ने खेत के जमीन से अवैध कब्जा हटाने, ग्राम चिखली की टीकमबाई ने चौकीदारी की राशि दिलाने, कोपरा के नगरवासियों ने अवैध रुप से नर्सरी से इमारती लकड़ी काटकर बेचने के संबंध में ,ग्राम कसेरु के डिगेष्वर सिन्हा ने मजदूरी की राषि दिलाने, ग्राम छिंदौला के नारायण चंद्रवंषी ने बिजली बिल राषि अधिक आने, सेवानिवृत्त प्रधान पाठक तुलसी राम धनकर ने राहत पेंषन एवं अन्य स्वत्वों प्रदाय करने, ग्राम फुलझर के कृपाल गिरी ने पीएम आवास योजना में आवास स्वीकृति की राशि दिलाने, ग्राम कुम्हरमरा के रामेश्वर साहु ने पीएम आवास के संबंध में उचित कार्यवाही करने, गोविन्द तिवारी ने पाण्डुका परिक्षेत्र के गावों में जलजीवन मिषन के तहत बन रहे अधूरे कार्यों को पूरा कराने, ग्राम परतेवा के ऐलाल साहू ने स्पॉन्सरषिप कार्यक्रम का लाभ प्रदाय करने जैसे अन्य आवेदन प्रस्तुत किये है। इस पर कलेक्टर उइके ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

छत्तीसगढ़ के कैबिनेट मंत्री श्री श्याम बिहारी जयसवाल खोखली गांव में 'सुशासन तिहार - समाधान शिविर' में हुए शामिल, महिला सशक्तिकरण पर दिया जोर - 30 ग्रामीण नवयुवतियों को सौंपे नौकरी नियुक्ति पत्र

खोखली, भाटापारा: न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड, क्षमता के हिसाब से भारत का पांचवां सबसे बड़ा सीमेंट समूह, छत्तीसगढ़ सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री श्याम बिहारी जयसवाल ने आज भाटापारा के समीप स्थित खोखली गांव में आयोजित ÷सुशासन तिहार - समाधान शिविर÷ में भाग लिया। यह कार्यक्रम शासन की जनहितकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और जनशिकायतों के त्वरित समाधान के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और सरकार के साथ सीधे संवाद किया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक श्री शिवरतन शर्मा, कलेक्टर श्री दीपक सोनी, पुलिस अधीक्षक मैडम भावना गुप्ता सहित कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे। शिविर के माध्यम से शासन ने न केवल जनता की समस्याओं का समाधान किया, बल्कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम उठाया।

प्रभारी मंत्री श्री जयसवाल ने इस अवसर पर न्युवोको सीएसआर सोनाडीह सीमेंट प्लांट द्वारा संचालित 'दक्ष स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम' आईएसएमओ प्रशिक्षण कार्यक्रम के 30 सफल प्रशिक्षुओं को नियुक्ति पत्र एवं प्रमाण पत्र सौंपे। ये युवा विभिन्न कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर अब रोजगार के लिए तैयार हैं। इस अवसर पर मंत्री ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, ÷हमारी सरकार का उद्देश्य युवाओं को सशक्त बनाना है। 'हम होंगे कामयाब' कार्यक्रम उसी दिशा में एक मजबूत पहल है, जिससे युवाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं।÷

'हम होंगे कामयाब' कार्यक्रम जिला प्रशासन द्वारा चलाया जा रहा एक अभिनव प्रयास है, जिसका उद्देश्य जिले के बेरोजगार युवाओं को चिन्हित कर उन्हें आवश्यक कौशल प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाना है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत युवाओं को अलग अलग इंडस्ट्री के माध्यम से इलैक्ट्रीशियन, वेल्डिंग, कंप्यूटर डाटा एंट्री, दर्जी, ब्यूटी पार्लर संचालन जैसे व्यावसायिक कोर्स करवाए जा रहे हैं। प्रभारी मंत्री श्री जयसवाल ने इस दौरान न्युवोको सीएसआर सोनाडीह सीमेंट प्लांट द्वारा संचालित दक्ष स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम' कार्यक्रम की विशेष सराहना की। उन्होंने कहा, ÷निजी क्षेत्र की भागीदारी के बिना समावेशी विकास संभव नहीं है। जब न्युवोको जैसे संस्थान अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हैं, तो समाज को नई दिशा मिलती है। इस कार्यक्रम से ग्रामीण नवयुवतियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण मिल रहा है, जो उनके भविष्य को संवारने में सहायक है। कई नवयुवतियों को हैदराबाद और बेंगलुरु जैसे बड़े शहरों में रोजगार मिला है।÷

नेटफ्लिक्स ने रिलीज़ किया 'राणा नायडू सीज़न 2' का ट्रेलर बहुत ज्यादा फैमिली ड्रामा और धमाका!

मुंबई: फिक्सर वापस आ गया है और इस बार मामला निजी है! नेटफ्लिक्स इंडिया की 2023 की ब्रेकआउट सीरीज़ राणा नायडू 13 जून को लौट रही है अपने दूसरे सीज़न के साथ, जो पहले से भी ज़्यादा गंभीर, डार्क और उलझनों से भरा हुआ है। लेकिन जब फिक्सर की खुद की दुनिया बिखरने लगती है, तो सारे नियम बदल जाते हैं। इस बार राणा सिर्फ अपने क्लाइंट्स के मसले नहीं सुलझा रहा। जब राणा का अपना परिवार दांव पर हो , जो लाइन क्रॉस किया... वो गया!

सीज़न 1 में दर्शकों को राणा नायडू की खतरनाक, ऐड्रेनालिन-से भरी और स्टाइलिश दुनिया में खींच लिया गया था — एक ऐसा फिक्सर जो अमीरों और बेपरवाह लोगों के लिए आखिरी उम्मीद था। वह जुर्म मिटा सकता था, कहानियाँ बदल सकता था और सबसे काले रहस्यों को साफ नजरों से दफ्न कर सकता है! राणा के लिए कोई भी चीज़ बहुत उलझी हुई नहीं थीÿ सिवाय उसके अपने पिता के। फिर हुयी थी नागा नायडू की एंट्री — राणा का बिछड़ा हुआ पिता, पछतावे, गुस्से और अनसुलझे अतीत का टाइम बम। नायडू परिवार सिर्फबेमेल और उलझा हुआ नहीं है; वो अस्थिर हैं, ज़ख्मों से भरे हैं, और अपने अतीत के साए से आँख मिलाने के लिए बहुत घमंडी भी।

लेकिन इस बार दांव पहले से कहीं ज़्यादा ऊँचे हैं। ख़तरा अब निजी है। अतीत अब हिसाब मांगता है। रऊफ़ ङ्क राणा का एक ज़बरदस्त दुश्मन, बदला लेने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। राणा एक आखिरी, बेहद जोखिम भरे फिक्स की तैयारी में है, जिससे वो अपने परिवार का भविष्य सुरक्षित कर सके।

क्या राणा इस तूफान ङ्क रऊफ़ ङ्क को काबू कर पाएगा? या ये वही फिक्स होगा जो उसे हमेशा के लिए तोड़ देगा? वक़्त तेज़ी से बीत रहा है। दीवारें उसके चारों तरफ़ बंद हो रही हैं। और नायडू परिवार के लिए ये जंग है — रऊफ़ उनके पीछे है।

रियल-लाइफ चाचा-भतीजे की जोड़ी राणा दग्गुबती और वेंकटेश दग्गुबती, इस तूफान में लड़ते हुए पिता-पुत्र के रोल में वापसी कर रहे हैं। इस अराजकता में शामिल हो रहे हैं अर्जुन रामपाल, जो अपनी अलग तरह की गहराई और क्रूरता लेकर आते हैं, जिससे टेंशन और बढ़ जाती है।

बाढ़ आपदा से निपटने की तैयारियों का किया गया आंकलन, जिला प्रशासन ने श्यामनगर में किया मॉक ड्रिल

गरियाबंद (विश्व परिवार)। आगामी मानसून के मद्देनजर बाढ़ आपदा से निपटने की तैयारियों को परखने और संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से आज जिला प्रशासन द्वारा एक व्यापक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। यह अभ्यास जिला सेनानी के नेतृत्व मेंग्राम पंचायत श्यामनगर में तालाब में सम्पन्न किया गया। तालाब को कृत्रिम बाढ़ प्रभावित क्षेत्र मानकर सुरक्षा व्यवस्था, राहत एवं बचाव की तैयारी को परखा गया। जिसमें विभिन्न सरकारी एजेंसियों और स्वयंसेवी संगठनों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। मॉक ड्रिल का उद्देश्य बाढ़ जैसी आपातकालीन स्थिति में राहत और बचाव कार्यों की गति, प्रभावशीलता और विभिन्न टीमों के बीच तालमेल का मूल्यांकन करना था। इस दौरान बाढ़ की स्थिति में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना, घायलों को प्राथमिक उपचार देना, भोजन और आश्रय की व्यवस्था करना, तथा संचार व्यवस्था को बनाए रखना जैसे विभिन्न परिदृश्यों का अभ्यास किया गया। अभ्यास के दौरान आपदा प्रबंधन विभाग, पुलिस, फायर ब्रिगेड, स्वास्थ्य विभाग एवं स्थानीय कर्मियों ने बाढ़ में फंसे लोगों को निकालने, नावों का उपयोग कर बचाव कार्य करने, अस्थाई राहत शिविर स्थापित करने और चिकित्सा सहायता प्रदान करने का प्रदर्शन किया। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर रामसिंह सोरी, जिला सेनानी पुष्पराज सहित नगरसेना के बाढ़ आपदा टीम एवं आपदा मित्र की संयुक्त टीम मॉक ड्रिल में मौजूद रहे। डिप्टी कलेक्टर एवं जिला सेनानी ने मॉक ड्रिल का बारीकी से निरीक्षण किया और सभी कर्मियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह मॉक ड्रिल हमें अपनी तैयारियों का आकलन करने और किसी भी संभावित कमी को दूर करने में मदद करेगा। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हम बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार रहें और जनहानि व संपत्ति के नुकसान को न्यूनतम कर सकें। सफल मॉक ड्रिल से यह स्पष्ट हो गया है कि जिला प्रशासन बाढ़ आपदा से निपटने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। पुलिस विभाग के अधिकारियों ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने और बचाव कार्यों में पुलिस की भूमिका महत्वपूर्ण है। इस अभ्यास ने हमें अपनी रणनीति को और बेहतर बनाने का अवसर दिया है।

ग्राम बासीन में हुआ जैविक मेला सह कृषक सम्मेलन का आयोजन

किसानों को विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत वैज्ञानिक खेती अपनाने एवं जल-संरक्षण का दिया गया संदेश

गरियाबंद (विश्व परिवार)। विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत ग्राम पंचायत बासिन में आज जैविक मेला सह कृषक सम्मेलन का आयोजन किया गया। शिविर में किसानों को आधुनिक एवं जैविक खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। साथ ही वर्तमान में किये जा रहे खेती में अधिकतम पैदावार के लिए उचित कृषि सलाह भी दिये। साथ ही शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए जागरूक किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे। स्टॉलों के माध्यम से किसानों को समाग्री वितरण एवं आवश्यक कृषि सलाह प्रदान किया गया। शिविर में राजिम क्षेत्र के विधायक रोहित साहू भी शामिल हुए। उन्होंने किसानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार किसानों को समृद्ध बनाने हेतु निरंतर प्रयासरत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के विजन 2047 को ध्यान में रखते हुए उन्नत तकनीकों के माध्यम से खेती को लाभकारी बनाने पर ज़ोर दिया जा रहा है। विधायक साहू ने बताया कि जैविक खेती, बीज उपचार, प्रमाणित बीजों का उपयोग, तथा फसल चक्रण जैसे उपाय अपनाकर किसान लागत घटाकर उत्पादन बढ़ा सकते हैं। उन्होंने पराली जलाने की समस्या पर चिंता जताते हुए ट्राईकोडर्मा के माध्यम से पैरा से खाद बनाने और बीजों का घरेलू उपचार करने का सुझाव दिया। उन्होंने जल-संरक्षण की महत्ता पर बल देते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जल बचाना हमारी ज़िम्मेदारी है। गांवों में सोखता गड्ढा, वॉटर हार्वेस्टिंग, और रवि सीजन में तिलहन-दलहन फसलें अपनाने का आग्रह किया गया। साथ ही उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने की अपील की। किसान वैज्ञानिक तरीकों को अपनाएं, प्रकृति से सामंजस्य रखें और आने वाली पीढ़ियों के लिए समृद्ध भविष्य का मार्ग प्रशस्त करें। इस अवसर पर जिला पंचायत सभापति नंदिनी ढीढी, जनपद सदस्य मंजू साहू, मनीष हरित, हरीश साहू सरपंच संघ अध्यक्ष, रिकेश साहू, चन्द्रशेखर साहू, सरपंच गंगा बाई ओगरे, सहकारिता समिति अध्यक्ष गोपचंद बनर्जी जी। वैज्ञानिक केवीके मनीष चौरसिया, सहायक संचालक मछलीपालन आलोक वशिष्ठ, महेश पैकरा बिसहत साहू सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

किसानों को किया सम्मानित - राजिम क्षेत्र के ग्राम पंचायत बासिन में विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम में विधायक रोहित साहू ने किसानों को सम्मानित किया। साथ ही वैज्ञानिक और उन्नत खेती के लिए प्रेरित करते हुए 20 लाख रुपए के टीन शेड निर्माण एवं सामुदायिक भवन निर्माण की घोषणा की, जिससे ग्रामीणों को अत्यधिक लाभ मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान किसानों को उपचारित बीज, मछली पकड़ने के जाल, आइस बॉक्स, कृषि विज्ञान केंद्र की पत्रिका एवं पौधों का वितरण कर सम्मानित किया गया।

15 से 30 जून तक जनजाति गांवों में लगेगी विशेष शिविर, कलेक्टर उइके ने समय-सीमा की समीक्षा बैठक में दिये निर्देश

जिले में खनिजों के अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण पर होगी कड़ी कार्यवाही : कलेक्टर

गरियाबंद (विश्व परिवार)। कलेक्टर बी.एस. उईके ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने बैठक में विभागीय योजनाओं की समीक्षा करते हुए योजनाओं में प्रगति लाने आवश्यक निर्देश दिये। कलेक्टर ने जनदर्शन, जन चौपाल, जन शिकायत, पीजी पोर्टल के लंबित प्रकरणों को समय-सीमा के भीतर शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिये। उन्होंने समय-सीमा के बैठक में बिना अनुमति के मुख्यालय से बाहर रहने वाले जिला अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने को कहा। साथ ही कार्यालयीन समय में उपस्थित रहने की चेतावनी दी। उईके ने जिले में अवैध रूप से संचालित ईट भट्ठे, रेत खनन एवं परिवहन और सख्ती के साथ कार्यवाही करने के लिए सभी एसडीएम को निर्देशित किये, साथ ही अवैध रूप से कृषि भूमि को प्लॉटिंग करने वाले के खिलाफ कार्यवाही करने को कहा। कलेक्टर ने जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, भण्डारण एवं परिवहन पर निगरानी रखते हुए संबंधितों पर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिये। इसके लिए राजस्व, पुलिस एवं खनिज विभाग के अधिकारियों को सतर्क रहकर अपने क्षेत्रों की निगरानी बनाये रखने को कहा। साथ ही अवैध खनिज के मामला संज्ञान में आने पर सक्रियता से पहल करते हुए संलिप्त लोगों के खिलाफ त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने बैठक में कहा कि जिला अधिकारी अपने अधीनस्थ कर्मचारियों का सर्विस बुक संधारित कराये। जिससे कि कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के दौरान कोई परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि राज्यपाल द्वारा लिए गए गोद ग्राम पंचायत बिजली एवं उनके आश्रित गांव मड़वाडीह में गांव के विकास के लिए तैयार किए जाने वाले रोड मैप के अधार पर सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करें। इस दौरान बैठक में जिला पंचायत सीईओ जी आर मरकाम, अपर कलेक्टर अरविंद पाण्डेय, सभी एसडीएम, जनपद सीईओ सहित जिला अधिकारी मौजूद रहे। राज्य शासन के निर्देशानुसार 15 से 30 जून तक जिले के 334 गांवों में शासन की विभिन्न योजनाओं से शत-प्रतिशत लोगों को लाभान्वित करने के लिए धरती आबा संतृप्तिकरण शिविर लगाए जायेंगे। कलेक्टर उईके ने धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत शिविरों के सफल संचालन के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे आपसी समन्वय के साथ अपने-अपने विकासखण्डों के चयनित ग्रामों में शिविर आयोजन की विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर ले। जिले में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान शुरू किया गया है। गरियाबंद जिले के 334 ग्राम को इस अभियान में शामिल किया गया है। इनमें विकासखंड गरियाबंद अंतर्गत कुल 126 ग्राम, मैनपुर अंतर्गत कुल 144 ग्राम, छुरा अंतर्गत 50 ग्राम, फिंगेश्वर अंतर्गत 05 ग्राम एवं विकासखड-देवभोग अंतर्गत 09 ग्राम शामिल है। इन 334 ग्रामों के कल्याण एवं संवर्धन के लिए कलेक्टर के मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार कार्ययोजना बनाकर संबंधित विभागों ने कार्य प्रारंभ कर दिया है। इन शिविरों में ग्रामीणों के जाति, निवास, आय प्रमाण पत्र बनाने के साथ-साथ उन्हें राजस्व विभाग की अन्य दूसरी सेवाओं से भी लाभान्वित किया जायेगा। शिविरों में राशनकार्ड, आयुष्मान कार्ड, बीमा कार्ड, श्रम कार्ड, श्रम पंजीयन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र हितग्राहियों का पंजीयन, गांवों में छूट गए लोगों के मनरेगा जॉब कार्ड बनाने के निर्देश दिये गये है।

पाठ क्षेत्र के दूरस्थ अंचल की विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा फूलो बाई को मिला पक्का मकान

जशपुरनगर। प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के अंतर्गत जशपुर जिले के दूरस्थ अंचल में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा परिवारों को अब पक्के मकान का लाभ मिल रहा है। इसी क्रम में विकासखंड बगीचा की ग्राम पंचायत पंड्रापाठ की फूलोबाई को योजना के तहत पक्का आवास स्वीकृत हुआ, जो अब बनकर तैयार हो चुका है। वर्षो तक कच्चे घर में कठिन जीवन जीने वाली फूलोबाई के लिए यह सिर्फ मकान नहीं, बल्कि उनके वर्षो पुराने सपनों का महल है। फूलों बाई बताती हैं कि बरसात में छत टपकती थी और हमेशा जहरीले जीवों का डर सताता था। लेकिन जब से यह पक्का आवास बना है तब से में चौन से सो पाती हूँ। मेरे जीवन में यह पहली बार है कि खुद का मजबूत और सुरक्षित घर है। फूलोबाई ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि यह घर उनके लिए सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की पहचान बन चुका है।

जागरूकता से ग्लूकोमा को हराया जा सकता है

परिवार के किसी सदस्य को ग्लूकोमा यानी काला मोतिया बीमारी हो तो सावधानी जरूरी है। इस स्थिति में परिवार के सभी सदस्यों को नियमित रूप से आंखों की जांच कराना चाहिए। 40 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को वर्ष में एक बार अनिवार्य रूप से आंखों की जांच कराते हुए आई प्रेशर का पता लगाना चाहिए। जागरूकता से ग्लूकोमा को हराया जा सकता है।

अंधत्व के खतरे को टाला जा सकता है

यदि समय रहते बीमारी का पता चल जाए तो अंधत्व के खतरे को टाला जा सकता है। उदाहरण के लिए यदि पिता को काला मोतिया है तो बच्चों की आंखों की जांच जरूर नियमित रूप से कराते रहें। आई प्रेशर से ग्लूकोमा के खतरे का पता चल जाता है। काला मोतिया ऐसी स्थिति है जो आंख के पिछले हिस्से में आप्टिव नर्व को प्रभावित करती है। इससे आंखों को गंभीर नुकसान हो सकता है। आप्टिक नर्व आंख से मस्तिष्क को जानकारी भेजने का काम करती है।

आंखों की बनावट गुब्बारे की तरह होती है

आंखों की बनावट गुब्बारे की तरह होती है। जिसके भीतर तरल पदार्थ भरा होता है। आंखों के भीतर यह तरल पदार्थ बनता रहता है, जो आंखों को नमी प्रदान करती है। परंतु जब आंखों में तरल पदार्थ बनने व बाहर निकलने की प्रक्रिया बाधित होने लगती है तो आंखों पर दबाव बढ़ता है और आप्टिक नर्व को नुकसान पहुंचता है। इस दशा में आंखों की रोशनी कम होने लगती है तथा ग्लूकोमा की स्थिति बनती है। ग्लूकोमा में मरीज को ज्यादा तकलीफ नहीं होती है इसलिए इस बीमारी को नजरअंदाज किया जाता है।

शरीर में इस विटामिन की कमी के कारण होता है पीलिया

जॉन्डिस एक मेडिकल कंडीशन है जिसे हम पीलिया के नाम से जानते हैं। इसमें व्यक्ति की आंखें और त्वचा का रंग पीला पड़ने लगता है। ये एक गंभीर समस्या है जो नवजात से लेकर किसी भी उम्र के लोगों को हो सकता है। पीलिया के कारण आपकी आंखों का सफेद भाग, झिल्ली,चेहरे और शरीर की त्वचा धीरे-धीरे पीली पड़ने लगती है।

एक्सपर्ट की माने तो पीलिया तब होता है जब शरीर में बिलीरुबिन नाम का पदार्थ बहुत अधिक हो जाता है जिससे लिवर पर प्रभाव पड़ता है इससे लिवर के काम करने की क्षमता कमजोर हो जाती है। बिलीरुबिन शरीर में फैल जाता है जिससे व्यक्ति पीलिया रोग का शिकार हो जाता है। हेल्थ एक्सपर्ट की माने तो बिलीरुबिन बढ़ने और पीलिया की समस्या के लिए कुछ विटामिन जिम्मेदार होते हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक शरीर में विटामिन के की कमी के कारण भी यह समस्या हो सकती है। विटामिन के की कमी से बाइल डक्ट ब्लॉक हो जाता है जिससे बिलीरुबिन को लिवर से बाहर निकलने में रुकावट होती है। वहीं विटामिन के की कमी से रक्तस्राव भी अधिक होता है जिससे खून की कमी होती है। विटामिन बी 12 की कमी के कारण भी पीलिया हो सकता है। दरअसल जब विटामिन बी 12 की कमी होती है तब लाल रक्त कोशिकाओं की कमी भी हो जाती है। और बिलीरुबिन तब बनता है जब लाल रक्त कोशिकाएं नष्ट होने लगती हैं।

रखें अपनी ओरल हेल्थ का ख्याल

अगर डेंटिस्ट के पास नहीं जा पा रहे हैं तो खुद ही अपनी ओरल हेल्थ का ध्यान रखना बहुत ही जरूरी होता है और अगर हमारी ओरल हेल्थ सही न रहे तो ये आगे चलकर कई बीमारियों का कारण बन सकती है। यहां सिर्फ दांतों की सफाई नहीं बल्कि मसूढ़ों की सेहत, जीभ की सफाई और हमारे मुंह में मौजूद ग्लैंड्स की सफाई और उनके स्वास्थ्य का ध्यान भी रखना जरूरी है। ओरल हेल्थ का ख्याल रखना हर उम्र के इंसान के लिए जरूरी है। स्टडी कहती है कि दुनिया भर में 3.5 बिलियन लोग ओरल समस्याओं से जूझ रहे हैं। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन की तरफ से ओरल हेल्थ को मैनेज करने के लिए कुछ खास टिप्स भी दी गई हैं। आज हम ऐसी ही कुछ टिप्स के बारे में बात करेंगे जो हमारी ओरल हेल्थ को सुधारने के लिए जरूरी है।

कम शक्कर वाले फूड्स, जूस आदि खाएं

गाइडलाइन्स कहती हैं कि आपको अपनी डाइट में जितना हो सके उतना कम शक्कर युक्त खाना खाएं। ये दवाओं के लिए भी लागू होता है। अगर हो सके तो ऐसे कफ सिरप आदि का चुनाव करें जिनमें शक्कर का इस्तेमाल कम हो रहा हो। शक्कर चाहें किसी भी फॉर्म में अंदर जाए वो हमारे मुंह की हेल्थ को खराब कर सकती है। इससे कैविटीज आदि भी हो सकती हैं। इसलिए ये जरूरी है कि हम कम शक्कर वाला खाना खाएं और जितना हो सके नेचुरल फ्रूट्स और ड्रिंक्स का सेवन करें।

दिन में 2-3 बार गरारा करें

ये जरूरी है कि आप अपने मुंह को साफ रखें इसके लिए आप दिन में 2-3 बार गरारा कर सकते हैं। आप अपने पास एक अच्छा माउथवॉश रखें और अगर माउथवॉश नहीं है तो आप गुनगुने पानी में नमक मिलाकर उससे गरारा कर सकती हैं। आप चाहें तो ष्ठद्बङ्ग माउथवॉश भी बना लें जिसमें काली मिर्च, अदरक, हल्दी और तुलसी की पत्तियां शामिल हों। ये आपकी ओरल कैविटी को दूर करने में मदद करेगा।

पानी की कमी न होने दें

ओरल हेल्थ ही नहीं बल्कि शरीर की कई समस्याओं को दूर करने के लिए ये जरूरी है कि आप अपने शरीर को हाइड्रेटेड रखें। ये अच्छा होगा कि आप पानी पीते रहें ताकि मुंह सूखे नहीं और मुंह के अंदर सलाइवा, मसूढ़े आदि साफ होते रहें। पानी पीने से दांतों के अंदर फंसे खाने के कण भी निकल जाते हैं और साथ ही साथ ये कैविटीज को खत्म करने और मुंह की दुर्गंध से लड़ने में भी सहायक होगा। आप नींबू पानी या सब्जियों और फलों का जूस भी पी सकते हैं।

एल्कोहॉल और स्मोकिंग से रहें दूर

अगर आप इसका सेवन नहीं करते तो ठीक, लेकिन अगर आप करते हैं तो इसे थोड़ा कम कर दीजिए। ये ओरल हेल्थ को खराब करने के सबसे अहम कारणों में से एक होते हैं। अकेले इस एक स्टेप को लेने से ही आपकी ओरल हेल्थ में कमाल का सुधार दिख सकता है।

डाइट का रखें ध्यान

हमारी ओरल हेल्थ को निर्धारित करने में हमारी डाइट का बहुत बड़ा योगदान होता है। ये बहुत जरूरी है कि हम सही विटामिन और मिनरल अपनी डाइट में शामिल करें ताकि शरीर को पोषण मिले। अगर हम बहुत ज्यादा चिपचिपा और स्टार्च वाला खाना खाएंगे तो ये हमारी ओरल हेल्थ पर असर डालेगा।

बढ़ती उम्र के साथ जरूरी है दांतों की सही देखभाल

हेल्दी रहने के लिए शरीर के बाकी अंगों की तरह दांतों की देखभाल भी बहुत जरूरी है। लेकिन अक्सर हम ओरल हाइजीन पर ध्यान नहीं देते हैं। जिसकी वजह से बढ़ती उम्र के साथ दांतों की दिक्कतें शुरू हो जाती हैं। कई बार कम उम्र में ही आपको दांतों की परेशानियां हो सकती हैं। इसलिए, दांतों की सही तरह से देखभाल करना बहुत जरूरी है। एक्सपर्ट के मुताबिक, उम्र बढ़ने के साथ कई कारणों से ओरल हेल्थ से जुड़ी कई दिक्कतें आपको परेशान कर सकती हैं। कई लोग इस बात को नहीं जानते हैं कि अगर आपकी ओरल हेल्थ ठीक नहीं है, तो इसका असर आपके पूरे स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। उम्र बढ़ने के साथ शरीर के बाकी अंगों की तरह दांतों पर भी अधिक ध्यान देना जरूरी हो जाता है। बढ़ती उम्र में एक्सपर्ट के बताए इन टिप्स को फॉलो कर आप दांतों को हेल्दी और मजबूत बनाए रख सकते हैं।

- उम्र बढ़ने के साथ-साथ हमारे मुंह में कुछ नेचुरल बदलाव आते हैं। जैसे कि सलाइवा का प्रोडक्शन कम हो जाता है। उम्र के साथ दांतों की मजबूती पर भी असर होता है।
- कई अन्य बीमारियों और दवाईयों के कारण भी डेंटल हेल्थ पर असर होता है। बढ़ती उम्र में मसूड़ों से जुड़ी परेशानियां भी हो सकती हैं।
- डायबिटीज, दिल की बीमारियों और अर्थराइटिस से भी ओरल हेल्थ प्रभावित हो सकती है। इसलिए, उम्र बढ़ने के साथ दांतों का अधिक ख्याल रखना जरूरी हो जाता है।
- घर पर दांतों की सही तरह की सफाई का ध्यान रखें।
- इसके अलावा, समय-समय पर डेंटिस्ट के पास जाकर रूटीन चेकअप करवाएं।
- दिन में दो बार फ्लोरॉइड टूथपेस्ट से दांतों का साफ करें और डेंटल फ्लॉस से दांतों के बीच का हिस्सा भी साफ करें। इससे कैविटीज और मसूड़ों की सड़न के बचाव हो सकता है।
- मुंह के बैक्टीरिया को दूर करने के लिए एंटीसेप्टिक माउथवॉश से कुल्ला करें।
- अगर आप डेंचर यूज करते हैं, तो इसकी भी सही देखभाल जरूरी है।
- डेंचल को सोते समय निकाल दें। इसे सही से साफ करें और इसे बैक्टीरियल ग्रोथ से बचाने के लिए डेंटल सल्यूशन पर डुबोकर रखें।
- बड़े-बुजुर्गों की ओरल हेल्थ को दुरुस्त रखने के लिए सही हाइड्रेशन भी जरूरी है। क्योंकि उम्र बढ़ने के साथ लार बनना कम हो जाती है। ऐसे में सही मात्रा में पानी पीना जरूरी है।
- लार एसिड को न्यूट्रिलाइज करने और फूड पार्टिकल्स को धोने के लिए जरूरी है।
- पानी पीने से ड्राई माउथ की प्रॉब्लम नहीं होती है। ड्राई माउथ की वजह से दांत का घिसना और ओरल हेल्थ से जुड़ी परेशानी हो सकती हैं।
- इसके अलावा विटामिन्स और मिनरल्स से भरपूर बैलेंस डाइट जरूर लें।
- दांतों की मजबूती के लिए कैल्शियम, विटामिन डी और फॉस्फोरस बहुत जरूरी हैं।

उम्र बढ़ने के साथ शरीर के बाकी अंगों की तरह दांतों पर भी अधिक ध्यान देना जरूरी हो जाता है। बढ़ती उम्र में एक्सपर्ट के बताए इन टिप्स को फॉलो कर आप दांतों को हेल्दी और मजबूत बनाए रख सकते हैं।

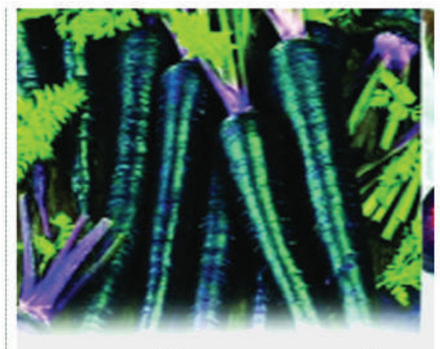

काली गाजर के सेवन से दूर होती है ये बीमारियां

काली गाजर में फाइबर की उच्च मात्रा होती है, जो रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद कर सकती है। काली गाजर में बीटा कैरोटीन और ल्यूटिन जैसे एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो आंखों के काफी ज्यादा फायदेमंद होती है। ये एंटीऑक्सीडेंट फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से आंखों को सुरक्षित रखते हैं। काली गाजर का सेवन मोतियाबिंद, ग्लूकोमा जैसी समस्या नहीं होती है। काली गाजर में फाइबर अधिक होने के कारण यह वजन घटाने में मददगार हो सकती हैं।

गाजर खाने के कई फायदे होते हैं। गाजर विटामिन-ए से भरपूर होती है। लेकिन बहुत कम लोगों ने काली गाजर के बारे में सुना होगा। डायटिशियन मीना कोरी यहां हमें काली गाजर के फायदों के बारे में बता रही है।

आंखों के लिए फायदेमंद

काली गाजर में बीटा कैरोटीन और ल्यूटिन जैसे एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो आंखों के काफी ज्यादा फायदेमंद होती है। ये एंटीऑक्सीडेंट फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से आंखों को सुरक्षित रखते हैं। काली गाजर का सेवन मोतियाबिंद, ग्लूकोमा जैसी समस्या नहीं होती है।

कैंसर से बचाव करती है काली गाजर

काली गाजर में एंथोसायनिन नामक एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो कैंसर से भी शरीर को सुरक्षित रखती है। मीना कोरी का कहना है कि एंथोसायनिन वाले खाद्य पदार्थों का सेवन स्तन कैंसर, फेफड़ों के कैंसर, और कोलोरेक्टल कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां नहीं होती है।

डायबिटीज में फायदेमंद

जिन लोगों को डायबिटीज की समस्या है, उन्हें काली गाजर का सेवन जरूर करना चाहिए। काली गाजर में फाइबर की उच्च मात्रा होती है, जो रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद कर सकती है। यह टाइप 2 मधुमेह के जोखिम को कम करती है।

वजन घटाती है काली गाजर

काली गाजर में फाइबर अधिक होने के कारण यह वजन घटाने में मददगार हो सकती हैं। फाइबर लंबे समय तक पेट को भरा हुआ रखता है। ज्यादा भूख नहीं लगती है। आप कम कैलोरी खाते हैं तो इससे शरीर का मेटाबॉलिज्म भी बढ़ता है। इससे शरीर मोटापा नहीं बढ़ता है। शरीर का वजन भी नहीं बढ़ता है। काली गाजर के सेवन से कोलेस्ट्रॉल का लेवल नहीं बढ़ता रहता है और इससे हार्ट अटैक का खतरा नहीं होता है।

थायराइड को कंट्रोल कर सकते हैं ये मसाले

थायराइड जीवनशैली से जुड़ी परेशानी है जिससे आजकल हर व्यक्ति ग्रस्त है। इस कारण शरीर में काफी बदलाव आने लगता है। कुछ लोगों का वजन काफी ज्यादा बढ़ जाता है। कुछ लोगों को हेयर फॉल की शिकायत हो जाती है। अगर आप भी थायराइड की समस्या से परेशान हैं तो मम्मी के किचन में रखे कुछ मसाले थायराइड कंट्रोल करने में उपयोगी साबित हो सकते हैं। आइए जानते हैं वो कौन से मसाले हैं जो थायराइड लेवल को फिक्स करने में आपके काम आ सकते हैं।

हल्दी

थायराइड में हल्दी का सेवन आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। हल्दी एक औषधि के रूप में जानी जाती है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण मौजूद होते हैं जो शरीर की सूजन को कम करने में मदद करते हैं। इसमें करक्यूमिन नाम का यौगिक पाया जाता है जो थायराइड ग्लैंड की सूजन कम करने में मदद करता है। आपको बता दें कि हल्दी में बहुत ही शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो शरीर में होने वाले ऑक्सीडेशन की प्रक्रिया को न्यूट्रल कर देते हैं।

जीरा

जीरा हमेशा से ही खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए जाना जाता है। वहीं इसमें मौजूद फाइटोकेमिकल्स थायराइड फंक्शन को बैलेंस रखने में मदद करते हैं। जीरा आपके मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है जिससे थायराइड लेवल को फिक्स करने में मदद मिलती है।

दालचीनी

दालचीनी का नियमित इस्तेमाल भी थायराइड को कंट्रोल करने में मददगार है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं जो सूजन को कंट्रोल करते हैं। दालचीनी में सिनामाल्डिहाइट नाम का केमिकल मौजूद होता है,जो शरीर में प्रोजेस्टेरोन हार्मोन को बढ़ाने में मदद करता है। यह महिलाओं में टेस्टोस्टेरोन के उत्पादन को कम करने में मदद करती है।जिससे शरीर में हार्मोन्स के संतुलन को बनाए रखने में मदद मिलती है।

धनिया

थायराइड में धनिया के बीज का सेवन भी आपको फायदे पहुंचा सकता है। धनिया के बीजों में एंटीऑक्सीडेंट होता है थायराइड फंक्शन को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। इससे शरीर का सूजन कम होता है।आप धनिया के बीजों को एक गिलास पानी में भिगोकर रखे और इसे सुबह खाली पेट पी लें।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज लेंगे कैबिनेट की बैठक

रायपुर (विसं)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुरुवार को कैबिनेट की आपात बैठक बुलाई है। इसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आगामी दौरे और कोंटा नक्सल हमले में शहीद एएसपी आकाश गिरिपुंजे की पत्नी को अनुकंपा नियुक्ति के प्रस्ताव पर निर्णय लिया जा सकता है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का 16 को दो दिन के दौरे पर आने का कार्यक्रम है। इस दौरान वे आकाश के घर जाकर परिजनों से मुलाकात कर पत्नी को अनुकंपा नियुक्ति आदेश सौंप सकते हैं। अमित शाह बीजापुर जाकर नक्सल आपरेशन में शामिल जवानों से मुलाकात करेंगे। इस बैठक में विधानसभा के मानसून सत्र की तिथियां भी तय हो सकती हैं।

संक्षिप्त समाचार

एडवरटाइजिंग एसोसिएशन द्वारा वृक्षारोपण

रायपुर (विश्व परिवार)। पर्यावरण दिवस पर एडवरटाइज़िंग एसोसिएशन द्वारा टाटीबंध में मर्सिडीज बेंज सिटी स्टार के प्रांगण में सभी सदस्यों द्वारा वृक्षारोपण किया गया। इसमें प्रमुख रूप से ओंकार सिंह (अध्यक्ष) अफसर खान (सचिव), मनीष राज्यवर्धन, पंकज गुप्ता, वीरेंद्र शुक्ला, विजय घोष, रिषभ पारेख एवं मर्सिडीज बेंज सिटी स्टार, रायपुर के देवाशीष दास, कौशिक सोनी, गुरप्रीत सिंह, आशीष राय, पीयूष लंबा एवं साहिल शर्मा शामिल थे।

युवा कांग्रेस ने नक्सली हमले में शहीद हुए श्री आकाश राव गिरपूंजे कैंडल मार्च निकाल कर दी श्रद्धांजलि

रायपुर (विश्व परिवार)। युवा कांग्रेस द्वारा आज राजधानी रायपुर में नक्सली हमले में हुए शहीद छत्तीसगढ़ के लाल देश के सच्चे सपूत रायपुर के गौरव शहीद श्री आकाश राव गिरपुजे जी को प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा एवं सैकड़ो युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गई युवा कांग्रेस ने सिटी कोतवाली से लेकर जय स्तंभ चौक तक श्रद्धांजलि मार्च निकाला एवं कार्यकर्ताओं द्वारा आकाश राव अमर रहे किनारे लगाए गए जय स्तंभ चौक पहुंचकर कार्यकर्ताओं ने उनके फोटो पर मोमबत्ती लगाकर श्रद्धांजलि अर्पित किया एवं अमर रहे के नारे लगाए गए। प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा ने कहा कि शहीद श्री आकाश राव जी का हम सब के बीच से जाना हमारे रायपुर शहर के लिए अपूर्ण क्षति है आज पूरा छत्तीसगढ़ी नहीं बल्कि पूरा देश उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा है और उनके वीरता को नमन कर रहा है आज हमने भी सिटी कोतवाली से लेकर जय स्तंभ चौक तक श्रद्धांजलि मार्च निकाला एवं उनके वीरता को नमन करने का प्रयास किया ऐसे शूरवीर का हम सभी के बीच से चले जाना हमारे शहर के लिए बहुत दुखदायक है आज हमने सभी कार्यकर्ताओं के साथ जयस्तम चौक में श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कैंडल जलाया।

प्लास्टिक उत्पाद का राष्ट्र समाज एवं परिवार में महत्वपूर्ण स्थान : राजीव अग्रवाल

प्लास्टिक उद्योगों से आर्थिक विकास संगोष्ठी में प्लास्टिक उद्योगों की दी गई महत्वपूर्ण जानकारी

रायपुर (विश्व परिवार)। 10 जून को भनपुरी स्थित सीपेट संस्थान में शाम 5 बजे से प्लास्टिक उद्योगों से आर्थिक विकास पर संगोष्ठी का उद्घाटन मुख्य अतिथि csidc के अध्यक्ष श्री राजीव अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि श्री विशवेश कुमार महाप्रबंधक CSIDC एवं सतीश थोरानी अध्यक्ष छतीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स, आलोक साहू सीपेट के प्रधान निर्देशक, संतोष जैन अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्लास्टिक निर्माता संघ द्वारा दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदन द्वारा हुआ, पश्चात अतिथियों का पुष्प गुच्छ दुप्पटे से स्वागत आयोजकों द्वारा किया गया।

स्वागत भाषण सीपेट श्री आलोक साहू जी ने देते हुए बताया कि सीपेट में आयोजित इस संगोष्ठी में में बताना चाहता हु कि यह केंद्र सरकार का प्लास्टिक इंजीनियर की शिक्षा देने का महत्वपूर्ण संस्थान है जिसमें 3 वर्षीय डिप्लोमा कोर्स इंजीनियर बनने हेतु दिया जाता है तथा 100त्न प्लेसमेंट यहां के विद्यार्थियों को मिलता है आगे साहू जी ने कहा कि अमरीका के तुलना में भारत में 20 प्रतिशत हो प्लास्टिक का उपयोग किया जाता है, तथा प्लास्टिक की खपत ही देश के आर्थिक विकास का परिचायक है आज भारत में प्लास्टिक थैली के कारण प्लास्टिक की आलोचना की जाती है परंतु जब हम अपनी कार में बैठते है तो यह अनदेखा कर देते है कि उसमें 90 प्रतिशत प्लास्टिक का उपयोग किया गया है प्लास्टिक से ही है स्पीड कार सफल है अत: हमें प्लास्टिक ह्मस्र लिए सकारात्मक माहौल बनाना चाहिए, मुख्य अतिथि csidc के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में प्लास्टिक को जीवन का आवश्यक अंग बताते हुए कहा कि आज मोबाइल, लैपटॉप, एवं मीडिया में वाईफाई जैसी सुविधा हमें प्लास्टिक वायर द्वारा ही प्राप्त होती है।

छत्तीसगढ़ प्लास्टिक निर्माता संघ के अध्यक्ष संतोष जैन ने अपने सारगर्भित भाषण में छत्तीसगढ़ में 14 विभिन्न प्रकार की प्लास्टिक औद्योगिक इकाइयों की क्रमबद्ध जानकारी देते हुए बताया कि में गर्व के साथ बताना चाहता हु कि छत्तीसगढ़ निर्माण के 25 वर्ष में 1 भी प्लास्टिक उद्योग बैंक डिफॉल्ट नहीं हुआ है तथा हमारे प्रयास से ही नई औद्योगिक नीति में प्लास्टिक उद्योगों को भी प्राथमिकता श्रेणी के उद्योगों में लिया गया है आगे जैन ने बताया कि देश के 7वे प्लास्टिक पार्क को छत्तीसगढ़ में लाने में प्लास्टिक एसोसिशन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है अत: रिंग रोड ङ्मश 4 सरोरा में बनने वाले प्लास्टिक पार्क में पूर्व में हमारे द्वारा दिए गए प्लास्टिक निर्माताओं कि सूची के अनुसार ही आवंटन किया जावे आगे जैन ने बताया कि हमारे प्रदेश में लगभग 172 प्लास्टिक उद्योग 15000 टन कच्चे मल का उपयोग कर प्रति माह 1500 करोड़ का उत्पादन कर 18 प्रतिशत gst ka भुगतान कर के प्रदेश एवं देश की आर्थिक उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है उन्होंने सैकड़ों की संख्या में उपस्थित प्लास्टिक उद्योगपतियों को इस सफलतम संगोष्ठी का श्रेय दिया।

महाप्रबंधक CSIDC श्री कुमार ने बताया कि प्लास्टिक की यह संगोष्ठी में मुझे बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई है तथा इसकी सफलता का पूरा श्रेय संतोष जैन एवं आलोक साहू जी को जाता है आगे उन्होंने बताया कि तथा शासन ने भी प्लास्टिक फर्नीचर, प्लास्टिक गृह उपयोगी उत्पाद एवं प्लास्टिक बोरियों को थ्रस्ट सेक्टर में लेकर अधिकतम सब्सिडी दी जा रही है प्लास्टिक पार्क के विकाश कार्य की जानकारी देते हुए जुलाई तक आवंटन होने की जानकारी दी। श्री सतीश जी अध्यक्ष चैंबर ऑफ कॉमर्स ने संगोष्ठी को सफल एवं उपयोगी बताते हुए सीपेट में पर्यावरण को हानि नहीं पहुंचाने वाले प्लास्टिक उद्योगों को चिन्हित कर प्रमाण पत्र देने कि मांग की। आयोजन का मंच संचालन श्री नीतेश जैन प्रशासनिक अधिकारी सीपेट एवं शंकर बजाज प्लास्टिक एसोसिशन द्वारा किया गया।

संगोष्ठी में प्रमुख रूप से प्लास्टिक एसोसिशन से श्री अजय टेकवानी, विजय हेमानी, लक्ष्मण मंगलानी, विनोद अग्रवाल, रोहित पंजवानी, प्रमुख रूप से उपस्थित थे धन्यवाद ज्ञापन श्री नीतेश जैन प्रशासनिक अधिकारी सीपेट द्वारा किया गया।

एक जुलाई से आईआरसीटीसी की वेबसाइट और ऐप पर केवल आधार सत्यापित उपयोगकर्ता ही तत्काल टिकट बुक कर सकते हैं

- एसी और नॉन-एसी क्लास के लिए पहले 30 मिनट में कोई एजेंट बुकिंग नहीं होगी
- 15 जुलाई से ऑनलाइन तथा यात्री आरक्षण प्रणाली काउंटर और अधिकृत एजेंटों के माध्यम से तत्काल बुकिंग के लिए ओटीपी आधारित सत्यापन अनिवार्य होगा

रायपुर (विश्व परिवार)। यात्रियों को तत्काल टिकट निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से सुलभ कराने और उनके हितों की रक्षा के लिए भारतीय रेलवे ने तत्काल टिकट बुकिंग प्रणाली में महत्वपूर्ण संशोधनों की घोषणा की है। इनका उद्देश्य उपयोगकर्ता सत ?यापन बढ़ाना और योजना का दुरुपयोग रोकना है। नए प्रावधान में निम्नलिखित व्यवस्था की गई है-

ऑनलाइन तत्काल बुकिंग के लिए आधार सत्यापन- एक जुलाई 2025 से, भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) की आधिकारिक वेबसाइट और मोबाइल ऐप द्वारा तत्काल टिकट बुकिंग केवल आधार सत्यापित उपयोगकर्ताओं के लिए ही उपलब्ध होंगे। इसके अलावा, 15 जुलाई 2025 से ऑनलाइन तत्काल बुकिंग के लिए आधार ओटीपी सत्यापन अनिवार्य हो जाएगा।

यात्री आरक्षण प्रणाली काउंटर (पीआरएस काउंटर) और एजेंटों द्वारा बुकिंग में सिस्टम-आधारित ओटीपी सत्यापन- कम्प्यूटरीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) काउंटरों और अधिकृत एजेंटों के माध्यम से तत्काल टिकटों की बुकिंग के दौरान उपयोगकर्ता के मोबाइल नंबर पर ओटीपी सत्यापन की आवश्यकता होगी। यह प्रावधान भी 15 जुलाई 2025 से लागू होगा।

अधिकृत एजेंटों के लिए बुकिंग समय की पाबंदी- रेल आरक्षण के शुरूआती समय में बल्क (एक साथ बहुत सारे) बुकिंग रोकने के लिए, भारतीय रेलवे के अधिकृत टिकटिंग एजेंटों को बुकिंग विंडो के पहले 30 मिनट के दौरान तत्काल टिकट बुक करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

एसी क्लासों के लिए, यह प्रतिबंध सुबह 10 बजे से 10 बजकर 30 मिनट तक और गैर-एसी क्लास के लिए, सुबह 11 बजे से 11 बजकर 30 मिनट तक लागू होगा। ये बदलाव तत्काल बुकिंग में पारदर्शिता बढ़ाने और सुनिश्चित करने के लिए लागू किए जा रहे हैं कि योजना का लाभ वास्तविक उपयोगकर्ताओं को मिले।

रेलवे सूचना प्रणाली केन्द्र (सीआरआईएस) और आईआरसीटीसी को इस बारे में आवश्यक प्रणालीगत संशोधन करने और सभी रेलवे जोन और संबंधित विभागों को सूचित करने के निर्देश दिये गये हैं।

रेल मंत्रालय ने सभी यात्रियों से इन परिवर्तनों पर ध्यान देने का अनुरोध किया है। असुविधा से बचने के लिए उसने आईआरसीटीसी उपयोगकर्ताओं को अपने प्रोफाइल आधार नम्बर के साथ जोड़ने का आग्रह किया है।

ओडिशा में अध्ययन दौरे पर संसद की शिक्षा, महिला, बाल, युवा एवं खेल संबंधी स्थायी समिति

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने योजनाओं का लिया जायजा

रायपुर / भुवनेश्वर (विश्व परिवार)। रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद एवं संसद की शिक्षा, महिला, बाल, युवा एवं खेल संबंधी स्थायी समिति के सदस्य श्री बृजमोहन अग्रवाल ने समिति अध्यक्ष एवं अन्य सदस्यों के साथ भुवनेश्वर में समिति के अध्ययन दौरे में सक्रिय भागीदारी की। इस दौरान उन्होंने ष्टस्क्र फंडिंग के माध्यम से खेलों के प्रोत्साहन विषय पर आयोजित बैठक में भारत सरकार के खेल विभाग, ओडिशा सरकार तथा सार्वजनिक क्षेत्र के प्रमुख बैंकों जैसे एसबीआई, बीओबी, पीएनबी एवं बीओआई के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की।

श्री अग्रवाल समेत समिति ने कलिंगा स्टेडियम का दौरा कर वहां उपलब्ध खेल सुविधाओं एवं आधारभूत ढांचे का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। भारत सरकार एवं राज्य सरकार के खेल विभागों के अधिकारियों से संवाद के दौरान उन्होंने खेल प्रतिभाओं के विकास हेतु संसाधनों की उपलब्धता और समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया।

महिला एवं बाल कल्याण के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों को समझने के उद्देश्य से उन्होंने शक्ति सदन, सखी निवास एवं वन-स्टॉप सेंटर का भी दौरा किया। इन केंद्रों में दी जा रही सेवाओं, सुरक्षा और पुनर्वास से जुड़ी व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने महिला सशक्तिकरण और बाल संरक्षण के प्रति केंद्र एवं राज्य सरकार की प्रतिबद्धता की सराहना की।

बृजमोहन अग्रवाल ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सामने आ रही चुनौतियों पर भी गंभीरता से चर्चा की। इस संदर्भ में ढ्ढढ्ढञ्ज भुवनेश्वर, ढ्ढढ्ढस्श्वक्र बेरहामपुर, ह्लढ्ढञ्ज राउरकेला, ढ्ढढ्ढरू संबलपुर एवं केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट जैसे प्रमुख शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान, बुनियादी ढांचे और रोजगारोन्मुखी शिक्षा पर विचार-विमर्श किया। भारत सरकार एवं ओडिशा सरकार के उच्च शिक्षा विभागों के अधिकारियों ने भी अपनी प्रस्तुति दी। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि यह दौरा नीति निर्माण, संसदीय अनुशंसा और जमीनी स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन की समझ को और सुदृढ़ करेगा। ओडिशा में शिक्षा, खेल, महिला एवं बाल कल्याण के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों एवं कार्यों से प्रेरणा लेकर अन्य राज्यों में भी प्रभावी योजनाएं बनाई जा सकेंगी।

वंदना ऑटो से एनआईटी मार्ग में चल रहे विकास कार्यों को शीघ्र पूर्ण निर्देश

पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने विकास कार्यों का किया निरीक्षण

रायपुर (विश्व परिवार)। आज प्रदेश के पूर्व केबिनेट मन्त्री रायपुर पश्चिम विधायक श्री राजेश मूणत ने राजधानी शहर रायपुर के जीई मार्ग में वन्दना ऑटो से एनआईटी मार्ग में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति का प्रत्यक्ष निरीक्षण पैदल भ्रमण करते हुए शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, सभापति श्री सूर्यकान्त राठौड़, आयुक्त श्री विश्वदीप, लोक कर्म विभाग अध्यक्ष श्री दीपक जायसवाल, जोन 7 जोन अध्यक्ष श्रीमती श्वेता विश्वकर्मा, पार्षद श्री आनंद अग्रवाल, अपर आयुक्त एवं रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के सीओओ श्री यू. एस. अग्रवाल, निगम अपर आयुक्त श्री विनोद पाण्डेय, मुख्य अभियंता श्री यू. के. धलेन्द्र, अधीक्षण अभियंता श्री राजेश राठौर,जोन 5 कमिश्नर श्री खीरसागर नायक, जोन 7 कमिश्नर श्री राकेश शर्मा, कार्यपालन अभियंता श्री अतुल चोपड़ा, श्री अंशुल शर्मा जूनियर, श्री ईश्वर लाल टावरे, नगर निगम और रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के अन्य सम्बंधित अधिकारियों की उपस्थिति में दिए है.

इस मार्ग में डिवाइडर बन चुका है,किंतु उस पर जाली तथा पोल लगाने का कार्य अभी अधूरा है. इसी प्रकार सेंट्रल लाइब्रेरी के सामने का कार्य भी अपूर्ण है.

निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि विकास कार्य जिस गति से होना चाहिए, वह नहीं हो पा रहे है.

इसके अतिरिक्त प्रदेश के पूर्व केबिनेट मन्त्री रायपुर पश्चिम विधायक श्री राजेश मूणत ने अनुपम उद्यान (महावीर पार्क) की साइड रोड पर भी दुकानों को उचित रूप से व्यवस्थित करने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए है.

पूर्व केबिनेट मन्त्री रायपुर पश्चिम विधायक श्री राजेश मूणत ने अंतर्राष्ट्रीय स्वीमिंग पुल का निरीक्षण करने के दौरान वहां पर की साफ ङ्क सफाई व्यवस्था को लेकर गहन असंतोष व्यक्त किया.

रायपुर पश्चिम विधायक ने सम्बंधित अधिकारियों को कहा कि वे नियमित तौर पर निरीक्षण किया करें, ताकि परिसर एकदम साफ- सुथरा रहे. उन्होंने यहां स्थित कला केंद्र भी देखा और इसके परिसर को भी व्यवस्थित रखने कहा.

इसके पश्चात पूर्व केबिनेट मन्त्री रायपुर पश्चिम विधायक श्री राजेश मूणत वर्तमान चौपाटी तथा जहां यह चौपाटी शिप्ट होनी है उसे भी देखने गए और इस हेतु आवश्यक निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को स्थल पर दिए.

श्री सत्य साई संजीवनी हॉस्पिटल में तीन बच्चों को मिला जीवन का उपहार

नि :शुल्क होता है यहां हार्ट का समस्त उपचार

आरंग (विश्व परिवार)। नवा रायपुर स्थित श्री सत्य साई संजीवनी हॉस्पिटल में तीन बच्चों को जीवन का उपहार के रूप में प्रशस्ति पत्र व उपहार प्रदान किया गया। ज्ञात हो कि इस अस्पताल में जन्मजात हृदय रोग से संबंधित समस्त प्रकार के रोगो का उपचार व सर्जरी पूर्णत: नि:शुल्क होता है।यहां छत्तीसगढ़ सहित देश- विदेश के दम्पति अपने बच्चों का उपचार कराने आते हैं।

हॉस्पिटल प्रबंधन से मिली जानकारी अनुसार इन तीन बच्चों में से दो बच्चे झारखंड और एक बच्चा मध्यप्रदेश से हृदय की सर्जरी के लिए आये थे। इन तीनों बच्चो को सफलता पूर्वक सर्जरी पश्चात घर भेज दिया गया हैं। वही मंगलवार को हॉस्पिटल प्रबंधन पीपला फाउंडेशन के प्रतिनिधियों को आमंत्रित कर इनके द्वारा प्रशस्ति पत्र जीवन का उपहार प्रदान कराया। संस्थान के ट्रस्ट ऑफिसर जगदीश राव जी ने बताया कि सभी बच्चों को सफलता पूर्वक सर्जरी पश्चात डिस्चार्ज के समय एक प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है जिसे जीवन का उपहार नाम दिया गया है।

इस अवसर पर पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट के हेड डॉ. निखिल शुक्ला, प्रोग्राम ऑफिसर उमा साहू ,किरण वर्मा सहित बच्चों के पालकगण उपस्थित थे।वहीं तीनों बच्चों के पालको ने श्रीसत्य साई संजीवनी अस्पताल का आभार जताया है।

भाजपा की सरकार, करे कर्मचारियों पर अत्याचार : सुशील सन्नी अग्रवाल

रायपुर (विश्व परिवार)। आज नया रायपुर में छ.ग. अंशकालीन स्कूल सफाई कर्मचारी कल्याण संघ रायपुर एवम प्रशिक्षित शिक्षक संघ द्वारा अपनी मांगों को लेकर किए जा रहे धरना प्रदर्शन में शामिल होकर सुशील सन्नी अग्रवाल कर्मचारी साथियों की आवाज़ बुलंद की।इसके पूर्व वीर शहीद आकाश राव गिरीपुंजे जी को श्रद्धांजलि अर्पित किया।

मजदूर नेता सुशील सनी अग्रवाल जी ने कहा कि जब से भाजपा की सरकार आई है किसी भी कर्मचारी संगठन की कोई भी मांग पर सरकार विचार नहीं कर रही है।छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार मे युक्ति युक्तकरण के नाम पर 10, 463 स्कूलों को बंद करने जा रही है। इससे न केवल शिक्षा व्यवस्था प्रभावित होगी बल्कि करीब 45, 000 शिक्षकों के पद समाप्त हो जाएंगे। बड़ी संख्या मे रसोइयों, स्वीपर्स, महिला स्व-सहायता समूहों, और अन्य सहायक कर्मचारियों के रोजगार पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। जिससे आने वाले समय मे प्रदेश मे यह नीति अनुसूचित और पिछड़े क्षेत्रों के छात्र-छात्राओं को शैक्षणिक रूप से पीछे धकेलेगी। साथ ही युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सीमित हो जाएंगे। भूपेश बघेल जी की सरकार के रहते कर्मचारी संगठन को बुलाकर उनसे बातचीत कर समस्या का समाधान निकाला जाता था कर्मचारियों की समस्याओं कीआवाज उठाने के लिए वह हमेशा हर मजदूर संगठन के साथ खड़े हैं और आगे भी खड़े रहेंगे मजदूरों को न्याय दिलाने के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। प्रदेश में श्रमिक विरोधी भाजपा की साय सरकार लगातार श्रमिकों के अधिकारों का हनन कर रही है जो अस्वीकार है।

राज्य के 447 शिक्षक विहीन स्कूलों में शिक्षकों की हुई पदस्थापना

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर और समावेशी बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया के बेहद सार्थक परिणाम सामने आए हैं। राज्य की कुल 453 शिक्षक विहीन शालाओं में से 447 स्कूलों में शिक्षकों की तैनाती कर दी गई है। राज्य में 16 जून से शुरू हो रहे नए शिक्षा सत्र से इन स्कूलों में घंटी बजेगी, क्लास लगेगी और बच्चों के पढ़ाई के स्वर गुंजेंगे। शिक्षक विहीन स्कूलों में शिक्षकों की पदस्थापना से एक नई उम्मीद जगी है। गांवों में शिक्षक के आने की खबर से पालक और बच्चे बेहद खुश हैं। शासन-प्रशासन का आभार जताने के साथ ही पालकगण बच्चों के बेहतर भविष्य की उम्मीद फिर से संजोने लगे हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि शिक्षा हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। राज्य के कई स्कूल शिक्षक विहीन स्थिति में थे विशेष रूप से सुदूर अंचलों के। इसलिए हमनें युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता से लागू किया है और यह सुनिश्चित किया गया है कि जहां-जहां जरूरत हो वहां शिक्षकों की तैनाती हो। राज्य के शत-प्रतिशत शालाओं में शिक्षकों की पदस्थापना इस प्रक्रिया की सफलता का प्रमाण है।

कैंसर सर्जरी
पश्चात अंगों का
पुन:निर्माण
(जबड़ा, स्तन व अन्य)
छ.ग.शासन से मान्यता प्राप्त
कालड़ा बर्न एवं
प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay 9827144371

DEAR TAX PAYER
PLEASE FILE YOUR INCOME TAX RETURN BEFORE DUE DATE TO AVOID LATE FILING PENALTY.
हमारे TAX Expert आपकी मदद हेतू तैयार है।
शेखर गुप्ता 9300755544
RIFCO TAX Consultants Financial Services
D-6, Sector-2, Devendra Nagar, Raipur.
RIFCO Tax Consultants
www.onlytds.com

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354